जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 15 संख्याः 22 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 22 नवम्बर, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

टैक्सस की तेज गर्मी वाइट टेल्ड डियर में ऐंटलर्स (सींग) के विकास को प्रभावित कर रही है। इस राज्य में सूखे के हालात बिगड़ते ही जा रहे हैं। वर्तमान में राज्य का 43 प्रतिशत भाग सूखा ग्रस्त है और 17 प्रतिशत भाग में तो बहुत ज्यादा हालत खराब है। पेड़ पौधे प्रभावित हो रहे हैं और समुचित रुप से विकसित नहीं हो रहे, जिसका सीधा असर शाकाहारी जानवरों पर पड़ रहा है, उन्हें पोषण नहीं मिल रहा। इन परिस्थितियों में वाइट टेल्ड डियर का विकास और प्रजनन दर प्रभावित हो रही है। ये हिरण डेज़ी का फूल, क्लोवर्स और अन्य हर्बेशियस, ब्लूमिंग प्लांट्स खाते हैं। इनसे नर डियर को ऐंटलर्स उगाने में मदद मिलती है। नर डियर की डाइट का 70 प्रतिशत भाग ये जड़ी बूटियां हैं, पर बसंत और गर्मी में सूखे की वजह से डियर को यह भोजन पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहा है, इसलिए ऐंटलर्स का विकास प्रभावित हो रहा है। ऐंटलर्स नर हिरण के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। दूसरे नर के साथ लड़ाई में, प्रजनन के लिए मादा को रिझाने में ऐंटलर्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और ऐंटलर्स के अधिकतम विकास के लिए इन्हें पर्याप्त पोषण और भारी मात्रा में पानी की जरुरत होती है। हर वर्ष बसंत के अंत में नर के वार्षिक ऐंटलर्स उगना शुरु होते हैं। इस समय इनमें पानी का तत्व अधिक होता तथा शुष्क पदार्थ कम होता है। अगस्त के अंत में ऐंटलर्स ठोस होना शुरु होते हैं और जब ये पूर्ण विकसित हो जाते हैं तो इनमें रक्त आपूर्ति रुक जाती है। बसंत के आरंभ में ऐंटलर्स गिर जाते हैं और नए ऐंटलर्स आने लगते हैं। मिसिसिपी स्टेट युनिवर्सिटी के प्रोफेसर ब्रॉनसन स्ट्रिकलैंड ने कहा, ''हमने देखा है कि हिरण के ऐंटलर्स के साइज़ में हर वर्ष उतार-चढ़ाव होता है, जिसका संबंध सूखे व गर्मी से होता है।'' गर्भावस्था के समय मादा जिन पर्यावरणीय कारकों का सामना करती है उसका प्रभाव एक या दो वर्ष बाद उसके शावक के ऐंटलर्स के विकास पर पड़ता है। टैक्सस में हिरणों की आबादी 54 लाख है पर सूखे और जन्म दर में कमी की वजह से आबादी घटने की संभावना जताई जा रही है।

'मेरा फोकस अभी गुजरात पर है, गुजरात के बाद राजस्थान के बारे में निर्णय लूंगा'

खड़गे के इस कथन से यह स्थापित हुआ कि, गुजरात के चुनाव के बाद राजस्थान में व्याप्त अनिश्चितता का माहौल समाप्त होगा

- राजनीति की दृष्टि से यह उचित भी लगता है, क्योंकि, गहलोत को गुजरात चुनाव का मुख्य फायनैंसर माना जाता है। हालांकि, यह अलग बात है कि, काफी समय से गहलोत ने गुजरात के चुनाव अभियान के लिये कुछ पैसा नहीं भेजा है।
- बहरहाल, गहलोत अभी भी काफी प्रयासरत हैं कि, उनके भविष्य के बारे में निर्णय अभी टल जाये। पर, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा, जिसके दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में राजस्थान पहुंचने की संभावना है, इसलिए बेहतर होगा कि उससे पहले ही राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के समक्ष प्रस्तुत, नेतृत्व की समस्या का हल हो जाये, अन्यथा आशंका है कि राहुल गांधी स्वयं गहलोत विरोधी व समर्थकों के बीच चल रहे राजनीतिक द्वंद के ''क्रास फायर'' में न फंस जायें।
- वयोवृद्ध नेता हेमाराम चौधरी के बाद दो युवा विधायक दिव्या मदेरणा व इंदिरा मीणा भी खुल्लम-खुल्ला मांग कर रहीं हैं कि, पायलट को मु.मंत्री बना दिया जाये, क्योंकि राजस्थान में कांग्रेस के विधायकों को जिता के लाने में उन्होंने भारी मेहनत की थी।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री पद से अशोक गहलोत को हटाने में विलम्ब को लेकर कांग्रेसजनों तथा महिलाओं में हैरानी एवं अधीरता बढ़ती जा रही है। इसके अलावा राजस्थान कांग्रेस में अनिश्चितता एवं अस्थिरता के माहौल के समाधान में देरी को लेकर भी पार्टीजन बहुत व्यग्र हैं।

जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से पूछा गया कि राजस्थान-समस्या का समाधान जल्दी से जल्दी कब हो जायेगा, तो उनका उत्तर था : ''गुजरात के चुनावों की समाप्ति तक मेरा पूरा ध्यान केवल गुजरात पर है। मैं गुजरात-चुनाव के बाद ही, राजस्थान पर निर्णय लूँगा।

मीडिया तथा राजनैतिक हल्कों में उनके इस जवाब का अर्थ यह लिया जा रहा है कि राजस्थान के मामले में निर्णय गुजरात चुनाव के बाद लिया जायेगा क्योंकि गहलोत गुजरात चुनाव के मुख्य पर्यवेक्षक तथा, जैसा कि माना जा रहा है, गुजरात चुनाव के लिये फंडिंग की व्यवस्था करने वाले प्रमुख व्यक्ति हैं।

लेकिन उन्होंने कितने पैसों की व्यवस्था की है, इस बारे में केवल अटकलें ही लगाई जा सकती हैं क्योंकि कुछ समय से तो उन्होंने इस चुनावाधीन राज्य में पैसा भेजा ही नहीं है।

गहलोत, हताशा की स्थिति के चलते, अपने मुख्यमंत्री पद के बारे में किसी भी निर्णय में देरी होने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा दिसम्बर के शुरू में राजस्थान पहुँचने पर, ऐसी आशंका है कि राहुल गांधी कहीं राज्य सरकार के गहलोत-समर्थकों तथा गहलोत-विरोधियों के बीच की टकराहट में न उलझ जाए।

गहलोत सरकार में शामिल पायलट-समर्थक हेमाराम चौधरी ने खुली माँग की है कि पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिये क्योंकि उन्होंने राजस्थान में कांग्रेस को सत्ता में लाने के लिये कड़ी मेहनत की थी।

दिव्या मदेरणा तथा इंदिरा मीणा ने आज खड़गे से भेंट की तथा उनसे राजस्थान के संकट का समाधान करने के लिये कहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस अब ''एनर्जी टैररिज़्म'' पर उतरा यूक्रेन के खिलाफ

यूक्रेन के बिजली घरों, ट्रांसमिशन लाइन्स व अब अन्य बिजली वितरण चेन्स को टारगैट कर रहा है रूस, अपनी मिसाइलों से

- इन ''मिसाइल एटैक्स'' के कारण यूक्रेन की विद्युत व्यवस्था के 40 प्रतिशत स्रोत नष्ट हो चुके हैं। नब्बे प्रतिशत विण्ड एनर्जी उत्पादन संयंत्र, 40 प्रतिशत से ज्यादा सोलर एनर्जी के संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गये हैं।
- प्रारंभ से यूक्रेन ने अपने बड़े-बड़े थर्मल प्लान्ट्स को बचाने की रणनीति अपनायी थी। पर छोटे-छोटे बिजली घरों व ट्रांसफॉर्मरों, जो भारी संख्या में हैं, के लिये एन्टी मिसाइल सिस्टम उपलब्ध कराना संभव नहीं, अब रूस इन संयंत्रों को टारगेट कर रहा है।
- सर्दी बढ़ने से गर्म रहने के लिए यूक्रेन वासी पुराने लकड़ी के स्टोव, मोटे गर्म कपड़ों व गैस से चलने वाले हीटरों पर निर्भर हो गये हैं।
- गैस हीटर व लकड़ी को जलाने वाले स्टोवों की कीमत आसमान छूने लगी है।
- एक जटिल समस्या यह भी है कि, सहायता के रूप में प्राप्त गर्म कपड़ों व कम्बलों को दूर-दराज इलाकों में कैसे पहुंचाया जाये।
- युद्ध में मिल रही पराजय से काफी तिलमिला गया है रूस और इस अमानवीय ''एनर्जी टैररिज़्म'' पर उतर आया है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। यूक्रेन के विरूद्ध सैन्य रूप से पिछड़ने के बाद रूस यूक्रेन की जनता को सर्दियों में परेशान करने की योजना बना रहा है ताकि यूक्रेन की सेना का प्रतिरोध न कर सके और उसके आगे घुटने टेक दे।

यूक्रेन का एनर्जी एण्ड हीटींग इन्फ्रास्ट्रक्चर रूस का निशाना बना हुआ है और उस पर बार-बार हमले किए गए हैं। इसके कारण यूक्रेन के बड़े शहरों में नियमित और लम्बे समय तक बिजली कटौती होती रही है।

नैशनल पब्लिक रेडियों की एक रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेन्यस शमहाल ने यूरोपीय कमीशन के साथ शुक्रवार को हुई एक मीटिंग में कहा कि पिछले हफ्ते रूस की मिसाइलों के हुए व्यापक हमलों के बाद देश का करीब आधा एनर्जी सिस्टम ठप्प हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि रूस युद्ध क्षेत्र में हुए नुकसान की भरपाई महत्वपूर्ण नागरिक सुविधाओं पर मिसाइल हमलों से कर रहा है। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री ने हाल ही हुए हमलों से पूर्व कहा था कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'80 लाख रू. में पार्षद का टिकट'

- दिल्ली में एक स्टिंग ऑपरेशन के आधार पर भाजपा ने दावा किया कि, आप पार्टी 80 लाख रू. में पार्षद का टिकट बेच रही है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया कि वे दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए आप पार्टी के पार्षद के टिकट 80 लाख रू. में बेच रहे हैं। उन्होंने प्रैस कान्फ्रैंस में आप पार्टी की सदस्य बिंदु श्रीराम को पेश किया जिसने स्टिंग ऑपरेशन संइस कांड का पर्दाफाश किया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सम्बित यात्रा और दिल्ली भाजपा के विधायक विजेन्द्र गुप्ता ने दावा किया कि स्टिंग ऑपरेशन के दिखाया गया है कि किस प्रकार बिंदु श्रीराम से दिल्ली नगर की 52 नम्बर रोहिणी सीट से टिकट देने के लिए 80 लाख रू मांगे गए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तर भारत को और अधिक महत्व देना चाहते हैं खड़गे

इस समय उनके अलावा, मन्निकम टैगोर, ए.के. एन्टनी, चिदंबरम, के.सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश व श्रीनिवास बी.वी. जैसे, दक्षिण भारत के नेताओं की भारी संख्या है, ए.आई.सी.सी. के पदाधिकारियों में

- खड़गे उत्तर भारत के नेताओं, जैसे तारिक अनवर, हरीश रावत, अजय माकन, सुरजेवाला, दीपेन्द्र हूडा, को और भारी जिम्मेवारी देकर, उत्तर भारत के पक्ष में संतुलन ठीक करना चाहते हैं।
- फरवरी में भारत जोड़ो यात्रा के बाद, कांग्रेस अधिवेशन आहूत कर खड़गे, वर्किंग कमेटी के चुनाव भी पूरा करना चाहते हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। नव निर्वाचित कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की कोशिश है कि सन्तुलन की स्थिति बनाये रखने के लिये, पार्टी में हिन्दी भाषी क्षेत्र के नेताओं को बराबर का महत्व दिया जाये क्योंकि इस समय पार्टी में शीर्ष नेताओं के रूप में, दक्षिणी राज्यों के नेताओं की बहुतायत है।

खड़गे स्वयं तो दक्षिण से हैं ही, उनके अलावा पार्टी में उच्च पदों पर आसीन अन्य नेता भी ज्यादातर दक्षिण से ही हैं। ऐसे प्रमुख नेता हैं-मणिक्कम टेगोर (स्टीअरिंग कमेटी के सदस्य तथा राहुल गांधी नजदीकी तथा विश्वसनीय नेता), पूर्व रक्षामंत्री ए.के.एन्टनी (अध्यक्ष, अनुशासन कमेटी), पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी.चिदम्बरम, जो खड़गे के पार्टी अध्यक्ष बन जाने के बाद, राज्यसभा में विपक्ष के नेता बनने वाले हैं, ए.आई.सी.सी. महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल, ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा प्रचार-प्रसार प्रभारी जयराम रमेश तथा इंडियन यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी.वी.।

हिन्दी बैल्ट से आने वाले एक ए.आई.सी.सी. महासचिव ने कहा कि खड़गे एक ऐसा फॉर्मूला ला रहे हैं। जिसके तहत पार्टी के महत्वपूर्ण पदों पर हिन्दी-बैल्ट के नेता लाये जायें। ऐसे नेताओं में शामिल हैं-तारिक अनवर, हरीश रावत, अजय माकन, रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा दीपेन्द्र हूडा। उन्होंने कहा कि खड़गे का जोर नये चेहरों, नये विचारों, नवीनतम तकनीक तथा नये तौर-तरीकों पर रहेगा।

खड़गे इस बात पर भी विचार कर रहे हैं कि फरवरी में, भारत जोड़ो यात्रा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'महिला सम्मन क्यों नहीं ले सकती?'

- सुप्रीम कोर्ट ने अपराध संहिता के सैक्शन 64 को महिला के साथ पक्षपाती करार देने वाली याचिका पर केन्द्र सरकार से जवाब मांगा।

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक जनहित याचिका पर केन्द्र सरकार को नोटिस दिया जिसमें कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर के भाग 64 को चुनौती दी गई है और महिलाओं के प्रति पक्षपाती बताया गया है क्योंकि इसमें उन्हें परिवार के सदस्य की तरफ से सम्मन स्वीकार करने की अनुमति नहीं दी गई है।

चीफ जस्टिस डी.वाय. चंद्रचूड़ और जस्टिस हिमा कोहली की बैंच ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या तमिल ''कल्चर'' चाबी है भाजपा का दक्षिण भारत में प्रवेश का दरवाजा खोलने के लिये?

''हिन्दी विरोधी'' भावना, जो दक्षिण भारत की पार्टियां समय-समय पर उठाती हैं, राजनीतिक लाभ लेने के लिये, के जवाब में प्र.मंत्री मोदी ने महीने भर चलने वाले काशी-तमिल संगम प्रोग्राम का उद्घाटन किया बनारस में

- ''तमिल कल्चर'' को इतना भारी महत्व देने की नीति से तमिलनाडू की क्षेत्रीय पार्टियां काफी विचलित हैं।
- इस प्रोग्राम के तहत, आई.आई.टी. मद्रास व बनारस हिन्दू युनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में तमिलनाडू के 2500 स्कूल व कॉलेजों के विद्यार्थियों को काशी लाया गया है। भगवान शिव की स्तुति व रूद्रम् के श्लोकों पर आधारित गायन को तमिलनाडू में सभी चैनलों पर दिखाया गया है।
- जैसा कि विदित ही है, भाजपा हर राज्य व क्षेत्र के लिये अलग रणनीति अख्तियार कर रही है: यू.पी. में बुलडोज़र राजनीति, महाराष्ट्र, दिल्ली व बंगाल में ई.डी. पर आधारित राजनीति। झारखण्ड व तेलंगाना में वहां के मु.मंत्री को व्यक्तिगत रूप से टारगेट करने की राजनीति, अब तमिलनाडू व दक्षिण भारत की 130 सीटों के लिये कल्चर आधारित राजनीति तैयार की गयी है।

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। दक्षिण भारत की 130 लोकसभा सीटों का लक्ष्य साधने वाली भाजपा की ''दक्षिण योजना'' इस क्षेत्र में हिन्दी-विरोधी भावनाओं को नरम किये जाने पर निर्भर है। हिन्दी-विरोधी भावनाएं विशेष रूप से तमिलनाडु में ज्यादा प्रबल हैं जिसके फलस्वरूप पार्टी के प्रति लोगों का व्यवहार बड़ा रुखा रहता है क्योंकि वे भाजपा को ''हिन्दी-पार्टी'' कहकर खारिज कर देते हैं।

यह विचार उस समय खुलकर सामने आ गया, जब प्रधानमंत्री मोदी ने पिछड़े पखवाड़े में दक्षिण भारत के अपने दौरे में, तमिलनाडु में अंग्रेजी में बोलना जरूरी समझा, जबकि अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में उनका जोर हिन्दी पर ही रहा। भाजपा नेता जितना ज्यादा हिन्दी बोलते हैं, तमिलनाडु के लोगों को भाजपा को गले लगाने में उतना ही ज्यादा जोर आता है, भले ही उसकी अन्य नीतियाँ कितनी भी अच्छी क्यों न हों।

भाषा प्राय: एक भावनात्मक मुद्दा बन जाती है तथा डी.एम.के. (द्रमुक) के बड़े पैमाने पर तथा ए.आई.ए.डी.एम.के. (अन्ना द्रमुक) भी कुछ हद तक राजनैतिक काम के लिये, राज्य में अक्सर भाषा का राग अलापती रहती हैं, जबकि भाषा का मुद्दा कब का मर चुका है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हिन्दी के विषय में हाल ही में की गई घोषणा के तमिलनाडु तक पहुँचने पर भाजपा को कोई लाभ नहीं हुआ तथा कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों से ऐसी रिपोर्ट मिली हैं कि विपक्ष इसका जबरन आरोपण कर रहा है। यही कारण है कि हिन्दी विरोधी मुहिम का हल्का होना भाजपा की ''दक्षिण-योजना'' का आधार बन गया है तथा इसी के एक हिस्से के रूप में, भाजपा ने वाराणसी में एक महीने का ''काशी-तमिल संगमम'' समारोह आयोजित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में इस समारोह का उद्घाटन किया ताकि तमिलनाडु की सांस्कृतिक विरासत के उपयोग के जरिये, भाजपा को तमिलनाडु में प्रवेश करने में मदद मिल सके तथा तमिल भाषा एवं संस्कृति की झंडाबरदार द्रविड पार्टियों के लिये मुश्किल पैदा की जा सके। अगर भाजपा तमिलनाडु के लोगों के मन में किसी तरह यह बात बैठाने में सफल हो गई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेप व हत्या के आरोपियों की रिहाई को चुनौती देगी दिल्ली सरकार

- वर्ष 2012 के छावला गैंगरेप व हत्याकाण्ड के तीन आरोपियों को सैशन कोर्ट व दिल्ली हाई कोर्ट ने मौत की सजा दी थी, पर सुप्रीम कोर्ट ने तीनों को बरी कर दिया। अब दिल्ली सरकार इस फैसले के खिलाफ रिव्यू पिटिशन दायर करेगी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। दिल्ली के उप राज्यपाल वी.के. सक्सेना दिल्ली सरकार को स्वीकृति दे दी है कि वह 2012 के छावला गैंगरेप-मर्डर केस में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जिसने निश्चय कर लिया, उसके लिए बस करना बाकी रह जाता है। –इटैलियन कहावत

बढ़ते अपराध और बेरोज़गारी

गत कुछ समय से शायद ही कोई दिन ऐसा निकलता होगा, जब समाचार पत्र राजस्थान की राजधानी जयपुर एवं अन्य शहरों में विभिन्न प्रकार के अपराधों के समाचारों से रंगे नहीं रहते हों। इन अपराधों में हत्या, आत्महत्या, डकैती, धोखाधड़ी, बैंक से धोखा करके पैसा निकालना आदि आदि प्रमुख हैं। ऐसेअनेक प्रकार के अपराध हैं जो शहर में प्रतिदिन हो रहे हैं। पहले तो इस प्रकार के अपराधों से लोग चिंतित होते थे और ऐसी एक भी घटना चर्चा में रहती थी। लेकिन अब तो इसे एक प्रकार से लोगों ने अपनी नियति ही मान लिया है।

मेरे घनिष्ठ मित्र की पत्नी, बापूनगर जैसे पॉश इलाके में शाम के समय घूमने के लिए गई थी। लगभग 6:00 बजे के आसपास दो मोटरसाइकिल सवार तेजी से पीछे से आकर उनके कंधे पर लटका पर्स जोर से खींचकर निकाल कर ले गए और इस छीना-झपटी में वह सड़क पर गिरकर बुरी तरह चोटिल हो गई। पर्स में मोबाइल और कुछ पैसे थे। इस घटना के बाद जब प्रत्यक्षदर्शियों में से एक ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराना चाहा उसे यह कह दिया गया कि जिस व्यक्ति के चोट लगी है वह आकर रिपोर्ट दर्ज करे। कितनी विचित्र बात है कि जो महिला गंभीर रूप से घायल होकर गिर गई थी, उससे कहा जा रहा था कि वह थाने में जाकर रिपोर्ट लिखाए।

जिस तेजी से इस प्रकार के अपराध बढ़ रहे हैं, यह केवल कानून व्यवस्था का प्रश्न नहीं है अपितु इसके मूल में युवाओं की भयंकर बेरोजगारी, विशेषकर शिक्षित युवाओं की है। हाल में 'कौन बनेगा करोड़पति' में एक प्रतिभागी भीलवाड़ा का था जिसने परिवार की स्थिति खराब होने के बावजूद एम.ए. किया था किंतु बहुत प्रयास करने पर भी कोई नौकरी नहीं मिलने के कारण मंडी में अनाज की बोरियां ढोने का काम करने के लिए बाध्य था। प्रतिदिन 300 बोरियां उठाकर वह जैसे-तैसे 300 रुपये रोज़ के कमा लेता है। अनेक बार पढ़ने में आता है कि M.A , B Ed करने के बाद युवाओं को 5-6000 रुपये की नौकरी भी मुश्किल से मिलती है। एक चपरासी के पद के लिए हजारों लोग आवेदन करते हैं। राजस्थान में शिक्षक भर्ती तो मज़ाक बन कर रह गई है। सालों के बाद परिक्षा होती भी है, तो पेपर लीक होने के कारण परीक्षा निरस्त कर दी जाती है। जो पढे-लिखे बेरोजगार कर्जा लेकर महीनों तक कोचिंग लेकर तैयारी करने के बाद, बड़ी आशा के साथ परीक्षा देते हैं, परीक्षा रद्द होने पर उनकी मानसिक स्थिति क्या होती है, इसकी केवल कल्पना ही की जा सकती है। इनमें से कई मानसिक अवसाद में आत्महत्या कर लेते हैं।

बढ़ते अपराधों की मूल में भी यही बेरोजगारी है। मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति न होना, नौकरी न मिलना या कोई काम-धंधा भी ना होना, युवाओं को एक प्रकार से मजबूर कर रहा है कि वह अपराध की घटना में लिप्त हों। इनमें से कभी कोई पकड़े भी जाएंगे और उन्हें जेल में भेज दिया जाएगा, लेकिन इससे समस्या का हल नहीं होगा। समस्या का हल तब होगा जब देश के युवाओं को गरिमा पूर्ण जीवन जीने लायक आय अर्जन करने का अवसर मिलेगा। सरकार की कई नीतियों के परिणाम स्वरूप, कुछ समय पहले तक छोटे-मोटे काम धंधा करके, लघु एवं मध्यम वर्ग के व्यवसाई अपना घर चला लेते थे। साथ ही कुछ लोगों को काम पर भी रख लेते थे। अब बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जाल फैलने के बाद इनके लिए स्थिति और विकट हो गई है।

जीएसटी का छोटे दुकानदारों, छोटे काम करने वालों पर बहुत बुरा प्रभाव हुआ है। हाल ही, एक 40 वर्षीय युवा व्यवसाई ने आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण आत्महत्या कर ली, क्योंकि बैंक लगातार कर्जा वसूल करने के लिए दबाव डाल रहे थे जिसके कारण परेशान हो कर उसने स्वयं की जीवन लीला ही समाप्त कर ली।

परिवार के सभी सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से आत्महत्या की घटनाएं भी कई हुई हैं। हाल ही में एक दंपत्ति ने अपनी पुत्रियों के साथ आत्महत्या कर ली। इन सब का एक मात्र कारण यह था कि परिवार का मुखिया इतना भी पैसा नहीं कमा पा रहा है कि वह अपने छोटे परिवार का लालन पोषण कर सके।

विडम्बना यह है कि एक ओर जहां आय अत्यंत कम हो गई है, रोजगार के अवसर समाप्त से हो गए हैं, वहीं दूसरी ओर महंगाई नित्य प्रति दिन बढ़ रही है। इसके फलस्वरूप आम नागरिक पर दोहरी मार पड़ रही है, विशेषकर उन युवाओं पर जो पढ़-लिख तो गए किंतु नौकरी की तलाश में दिन-रात जूते घिसने के पश्चात भी सफल नहीं हो पा रहे हैं। सरकारी नौकरियों की तो हालत यह है कि एक-एक पद के लिए हजारों लोग प्रार्थना पत्र देते हैं। कुछ कोचिंग माफिया भी इनसे मोटी रकम वसूल करते हैं। इस सबके बाद भी वर्षों तक कोई भर्ती पूरी नहीं हो पाती या कभी कोई होती भी है, तो न्यायालय में जाकर अटक जाती है। कल्पना कीजिए उस बेरोजगार युवा की जो तीन-चार वर्ष तक किसी सरकारी भर्ती के लिए कोचिंग भी करता है, समय भी लगाता है और उसके बाद भर्ती नहीं हो पाती। वैसे भी कुल मिलाकर 1 प्रतिशत लोग भी इनमे सफल नहीं होते। आज का युवा ऐसे दुष्चक्र में फंस गया है कि उसे समझ में नहीं आ रहा है कि वह किस दिशा में जाए और क्या करे?

> **समाज के प्रबुद्ध वर्ग को चिंतन करने की आवश्यकता है कि हम किस प्रकार के समाज की ओर बढ़ रहे हैं एवं किस प्रकार हम युवाओं की समस्याओं से बेखबर होते जा रहे हैं। राजनीतिक दल चाहे वह सत्ता में हो, चाहे विपक्ष में, उन्हें युवाओं के सपनों के साथ एवं उनके जीवन के साथ खिलवाड़ करना बंद करना होगा, अन्यथा इसकी कीमत इतनी अधिक होगी कि उसे चुका पाना संभव नहीं होगा।**

युवा भारत का गुणगान प्रधानमंत्री जी प्रत्येक मंच पर बड़े गर्व के साथ करते हैं। उनकी स्थिति पर कभी धरातल पर उतर कर सोचने का प्रयास करें तो शायद उनकी स्थिति बेहतर हो सकती है। साइबर फ्रॉड के मामले भी इसी का परिणाम है। एक और जहां युवाओं के लिए काम के कोई साधन नहीं है, वहीं दूसरी ओर मोबाइल के माध्यम से वह ऐसे धनाढ्य लोगों की जीवन शैली को भी देखते हैं, जो अकूत संपत्ति के कारण, अपने शौक पूरा करने के लिए पैसा पानी की तरह पैसा बहाते हैं। युवाओं की बेरोजगारी उस समय बड़ा विकराल रूप ले लेती है जब युवा उच्च और तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी इस लायक नहीं बन पाते कि वह अपना स्वयं का एवं परिवार का गुजारा चला सके। फिर, यदि वह अपराध की राह पर चला जाता है, तो दोष उस व्यक्ति का नहीं, बल्कि व्यवस्था का एवं सरकार का है, जो उसके लिए उचित रोजगार की व्यवस्था नहीं कर पाती है। कहने को प्रधानमंत्री जी एवं अन्य नेतागण यह कहते हैं कि सरकारी नौकरी सबको नहीं दी जा सकती एवं उन्हें स्वरोजगार करना चाहिए। यह सही है, किन्तु क्या कभी किसी ने इस बात को देखा कि स्वरोजगार से कितनी आमदनी कौन कर सकता है? क्या बैंक से पैसा लेकर व्यवसाय करना आसान है?अच्छा होगा यदि बड़े-बड़े नेता गण या प्रधानमंत्री, धरातल की वास्तविकता से रूबरू हों और देखें कि किसी भी साधारण व्यक्ति को, किसी बैंक से लोन लेने में अथवा किसी प्रकार का काम प्रारंभ करने में कितनी परेशानी होती है?

गत दो-तीन वर्षों में कोविड के कारण स्थिति और भी विकट हो गई है। बेरोजगारी अपने चरम सीमा पर है किन्तु दुर्भाग्यवश सरकार इसे स्वीकारने तक को तैयार नहीं है। सरकार द्वारा 28 माह तक 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांटना ही इस बात का प्रमाण है कि भारत की 60 प्रतिशत जनसंख्या के पास खाना, खाने लायक भी आय नहीं है। धर्म की अफीम देकर हम कितने समय तक युवाओं को भ्रमित कर सकते हैं? ऐसा करके सत्ताधारी दल अपनी सत्ता कुछ समय के लिए अवश्य सुनिश्चित कर लें, किंतु समाज में बढ़ते अपराधों पर लगाम नहीं लगा पाएंगे।

बैंक फ्रॉड की घटनाएं भी बहुत बढ़ी हैं। इनके पीछे भी वही कारण हैं, उपयुक्त रोजगार की अनुपलब्धता, बढ़ती महँगाई और तेजी से अमीर बनने की उत्कंठा। पहले जब डिजिटलीकरण नहीं था, कोई फर्जी दस्तखत करता या अंगूठा लगाता था तो उसकी जांच संभव थी। अब ऑनलाइन और डिजिटाइजेशन के युग में, उसको न हस्ताक्षर करने की आवश्यकता है ना उसको अंगूठा लगाने की। केवल ओ टी पी (पासवर्ड) से उसके खाते से पैसा एक सेकंड में निकाला जा सकता है। ऐसी स्थिति में कई लोग अगर अपनी तकनीक का प्रयोग करके धोखाधड़ी कर लें तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इस प्रकार की धोखाधड़ी का शिकार तो अच्छे खासे शिक्षित लोग भी हो रहे हैं, जिनमें कुछ आई ए ए स तक शामिल हैं। इस प्रकार की जानकारी प्रिंट, सोशल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्राप्त होती रहती है।

सरकार ने नई शिक्षा नीति घोषित की और इसे आदर्श नीति के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। ऐसे समय में जब अधिकांश सरकारी विद्यालयों, महाविद्यालयों में आधे से अधिक पद रिक्त हैं, किस प्रकार की शिक्षा और कैसी शिक्षा संभव है? सरकार ने हाल ही में नियमित भर्ती के अभाव में संविदा पर 94000 शिक्षकों को गेस्ट फैकल्टी के रूप में रखने का की योजना बनाई थी। भर्ती की सारी प्रक्रिया पूरी होने के बाद एन वक़्त पर उसे स्थगित कर दिया गया। इससे कितने बेरोजगार युवाओं के सपने टूट कर चूर-चूर हो गए, इसकी कोई तकलीफ किसी भी जनप्रतिनिधि को नहीं हुई। कभी-कभी लगता है कि शासन में बैठे हुए लोग, युवाओं को केवल सत्ता में आने के लिए हथियार बनाकर, उन्हें मूर्ख बनाने का काम कर रहे हैं, अथवा अपने हित के लिए उन्हें अपराध जगत में धकेल रहे हैं। यह स्थिति कभी भी विस्फोटक रूप ले सकती है।

यदि बेरोजगारी की गंभीरता पर ध्यान नहीं दिया गया एवं युवाओं के लिए उचित रोजगार की व्यवस्था नहीं की गई तो नक्सलवाद और आतंकवाद में भर्ती करना सरल हो जाता है। आतंकवाद और नक्सल वाद की समस्या होती है तो हम सारा दोष पढ़े-लिखे युवाओं पर मढ देते हैं। कभी यह सोचने का प्रयास नहीं करते कि कोई भी व्यक्ति इस ओर आकृष्ट तब होता है जब वह ईमानदारी से अपने जीवन यापन करने में भी समर्थ न हो। जब कोई व्यक्ति सदैव शोषण का ही शिकार होता रहे,चाहे वह आर्थिक, भौतिक या शारीरिक हो, तो फिर उससे अधिक समय तक इसे सहन करने की अपेक्षा करना शायद सही नहीं होगा। किसी भी रूप से आतंकवाद या नक्सलवाद को उचित नहीं ठहराया जा सकता, किंतु शासन, युवाओं की समस्याओं को बिल्कुल नजरअंदाज नहीं कर सकता। उसे यह समझना होगा कि भारत के युवा की प्रमुख समस्या उनकी बेरोजगारी है। उनकी ऊर्जा को सही रूप से उपयोग में लाना शासन की जिम्मेदारी है। उसे इस प्रकार की शिक्षा प्रदान करनी होगी कि वह उसके आधार पर एक गरिमा पूर्ण जीवन यापन करने लायक बन सके। अगर ऐसा नहीं हुआ तो फिर समाज में जिस प्रकार की घटनाएं आज हो रही है वह निरंतर बढ़ती ही रहेंगी और भविष्य में समृद्ध परिवार के लोगों का घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो जाएगा।

समाज के प्रबुद्ध वर्ग को चिंतन करने की आवश्यकता है कि हम किस प्रकार के समाज की ओर बढ़ रहे हैं एवं किस प्रकार हम युवाओं की समस्याओं से बेखबर होते जा रहे हैं। राजनीतिक दल चाहे वह सत्ता में हो, चाहे विपक्ष में, उन्हें युवाओं के सपनों के साथ एवं उनके जीवन के साथ खिलवाड़ करना बंद करना होगा, अन्यथा इसकी कीमत इतनी अधिक होगी कि उसे चुका पाना संभव नहीं होगा। जब अराजकता की ओर अगर देश बढ़ेगा तो उसका अंत कहां होगा इस बारे में कोई कुछ नहीं कह सकता। अगर ऐसी ही स्थिति बनी रही तो देश की एकता और अखंडता पर भी खतरा मंडरा सकता है, क्योंकि किसी भी बेरोजगार पढ़े-लिखे युवा को दिशा भ्रमित करना एवं गलत कार्य की ओर प्रेरित करना किसी के लिए बहुत ही सरल कार्य हो सकता है।

आइए हम सब इस पर विचार करें और बेरोजगारी की समस्या की गंभीरता को सबसे पहले स्वीकार करें, तथा इसे दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। इसके लिए सरकार,समाज, उद्योगपतियों, संस्थाओं एवं सभी को साथ आना होगा। तभी हम समरसता पूर्ण, समतामूलक समाज की स्थापना करने में अपना योगदान दे पाएंगे और देश को प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ाने में भी सफल हो पाएंगे।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

कृषकों को समता मिलेगी तभी उद्यमी बन सकेंगे!

सुचित्रा आर्य

गांव का मुख्य धंधा खेती है और उसकी आज यह दुर्दशा है कि बड़े मध्यम और छोटे सभी किसान खेती में दिलचस्पी खोते जा रहे हैं सामान्य खेती में कृषि संसाधनों और मजदूरी की दरें बढ़ जाने के कारण मुनाफे की कोई गुंजाइश नहीं रही है। थोड़े बहुत जो अभी अपनी हैसियत बनाए हुए हैं उन्होंने सामान्य खेती छोड़कर फल, साग-सब्जी, दूध इत्यादि के उत्पादन पर अपना ध्यान केंद्रित किया है और जिनके लिए उनके पास पर्याप्त जानकारी और पूंजी है परंतु ऐसे किसानों की संख्या नगण्य है। अधिकांश किसानों के पास है न तो जानकारी है न ही पूंजी है और न ही पूंजी लगाकर प्रतिफल के लिए लंबे अरसे तक प्रतीक्षा करने की क्षमता है। छोटे किसान कृषि मात्र के भरोसे हैं आजीविका चलाने की आशा छोड़ चुके हैं।

बेरोजगारी का एकमात्र तत्कालिक निदान कृषि का आधुनिकरण है, आधुनिकरण से तात्पर्य बड़े पैमाने की खेती से नहीं है जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका या सोवियत यूनियन। यहां आधुनिकरण से तात्पर्य कृषि भूमि से नवीनतम प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए अधिक से अधिक उत्पादन लेने से है, खेत का छोटा आकार कृषि के आधुनिकरण में बाधक नहीं है ! जब तक ऐसी परिस्थितियां नहीं बनाई जाती की खेती एक लाभप्रद धंधा बन सके तब तक खेती के उन्नतिशील होने की कल्पना नहीं की जा सकती है।

राहुल गांधी कृषकों को उद्यिमता से जोड़ने खेतों के नजदीक कृषि प्रसंस्करण इकाइयां और फूड पार्क विकसित करके किसानों की अतिरिक्त आमदनी में इजाफा करने की आवश्यक्ता को जरूरी मानकर चल रहें हैं जो खेती किसानी के प्रति उनकी गम्भीरता को दर्शाता है। इसी परिपेक्ष में उन्हीं के निर्देशानुसार प्रदेश सरकार द्वारा राजस्थान कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति 2019 लाई गई है लेकिन नीति में कुछ बाध्यताएं हैं जो राहुल गांधी की मूल भावना को अवतरित नहीं होने दे रही है। इसी नीति के तहत 21 जनवरी 2021 को राजस्थान स्टेट एग्रो इण्डस्ट्रीज डवल्पमेंट बोर्ड का गठन किया गया था जिसका उद्देश्य किसानों की अतिरिक्त आय में इजाफ़ा करने के लिए कृषकों एवं कृषि व्यवसायियों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनकर बेहतर सुझाव संकलित करके सरकार को परामर्श स्वरूप दें ताकि कृषि उद्यिमता को बढावा देकर प्रदेश में कृषि उधोग विकसित किये जा सकें तथा कृषि उत्पादों के निर्यात को बढावा मिल सके।

राहुल गांधी की सोच को पूर्णरूप से यदि लागु करना है तो इस नीति की बुनियादी सरंचना में संशोधन की आवश्यक्ता अनिवार्य रूप से पड़ेगी, क्योंकि नवीन नीति के तहत पूंजीगत लागत पर किसानों को अधिकतम 50 प्रतिशत अनुदान राशी (अधिकतम 1 करोड़) एवं अन्य व्यवसायी/फर्म को 25 प्रतिशत अनुदान राशी सरकार की तरफ से देय है। नीति के तहत बैंक से ऋण लेने की अनिवार्यता रखी गई है, व्यक्ति/किसान जो अपना उद्योग या प्रसंस्करण इकाई शुरू करना चाहता उसे पहले अपने प्रोजेक्ट की पूंजीगत लागत को बैंक से ऋण के रूप स्वीकृत करवाना होगा उसके बाद बैंक जो भी ऋण राशि स्वीकृत करेगा उसका 50 प्रतिशत भुगतान प्रदेश सरकार अनुदान राशि के रूप में सीधा किसान के खाते में स्थानांतरण की बजाय सबंधित बैंक को भुगतान करेगी ! सरकार अनुदान दे रही है यहां तक तो ठीक है लेकिन किसान के लिए सबसे बड़ी मूल परेशानी बैंको से ऋण स्वीकृत कराने की है।

ऋण लेने पूर्व जो किसान/व्यक्ति सुरक्षा गारंटी डिपॉजिट करवाने तथा अन्य बैंकिग शर्त पूर्ण करने में सक्षम नहीं है तो बैंक ऋण स्वीकृत नहीं करेगा उस स्थिति में वह स्वतः ही अनुदान के लिए अपात्र माना जाएगा। नीती और नीयती की विडंबना देखिए यदि कोई व्यक्ति/किसान अपनी नकदी लगाकर या अपने स्तर पर प्रोजेक्ट शुरू करता है तथा सरकार से अनुदान की अपेक्षा रखता है तो भी बैंकिंग ऋण की अनिवार्यता के चलते इस नीति से सरकारी अनुदान से वचिंत ही रहेगा। बैंक ऋण की अनिवार्यता लागु करके बड़ी चतुराई से किसानों को अलग कर दिया गया है जबकि व्यवसायियों, कारोबारीयों को बैंक ऋण देने में प्राथमिकता देगा जिसका सीधा लाभ किसानों की बजाय व्यापारिक व्यक्तियों को होगा।

किसानों के प्रति जकड़न की नीति है तथा व्यवसायियों के प्रति उदारता की नीति, यह दौहरे मापदंड एक साथ नहीं चल सकते। कृषक महज स्लोगन या नारों से उद्यमी नहीं बनेगा बल्कि उसे समतायुक्त माहौल देना होगा, 2019 की कृषि नीति में संशोधन करके किसानों की खुशहाली का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

राजनीतिक शक्ति का स्त्रोत आम आदमी है और जब तक आम आदमी को उदारतावादी नीतियों में अपनी खुशहाली नजर नहीं आएगी तब तक वह उसमें दिलचस्पी नहीं लेगा। यदि किसान को वास्तविक रूप से लाभान्वित करना है तो बैंकिंग ऋण अनिवार्यता को समाप्त करना होगा अन्यथा किसानों को बैंकों से ऋण दिलाने की व्यवस्था सरकार को करनी होगी। अब तक तो यह नीति औद्योगिक और वाणिज्य क्षेत्र से जुड़े लोगो तक ही सीमित है जिनके फलस्वरूप संपन्न वर्ग ही लाभान्वित हो रहा है साधारण किसानों को किसी भी प्रकार की सरकारी रियायतें नहीं मिल पा रही है।

–सुचित्रा आर्य,
उपाध्यक्षः राजस्थान कृषि उद्योग विकास बोर्ड, जयपुर।

क्या गैस्ट फैकल्टी अब राज्य के स्कूलों में भी?

प्रो. (डॉ.) वीर बहादुर सिंह

राजस्थान प्रदेश में उच्च शिक्षा के उपरान्त अब गेस्ट फैकल्टी स्कूलों में भी लगाकर विषय पढ़वाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। उच्च शिक्षा की रेड़ मारने के उपरांत सरकार को एक अवसर की तलाश थी और वह मिल गया अर्थात स्कूल जहाँ अध्यापकों के अनेक पद रिक्त चल रहे हैं। ऐसे स्कूलों में भी सरकार जब नियुक्तियाँ करने में विफल हो गई, तो अपना मुहं छिपाने के लिए अथवा अन्य कोई उद्देश्य की पूर्ती हेतु गेस्ट फैकल्टी के माध्यम से उन विषयों की पढ़ाई कराने का साफूगा छोड़ दिया जिनमे अध्यापक नहीं हैं और सरकार नयी नियुक्तियां करने में बिफल हो चुकी है।

सबसे मुख्य प्रश्न ये है कि जब पद खाली होते हैं, उनको तत्काल बिना समय गवाए क्यों नहीं भरा जा सकता क्या मजबूरी होती है सरकार की? क्या वर्ष में राजस्थान लोक सेवा आयोग अधिकांश समय बंद अथवा निष्क्रिय हो जाता है? रिक्त पदों को भरने के लिए क्या किसी पंडित अथवा ज्योतिषी से महूर्त निकलवाना पड़ता है? मेरे विचार से पंडितों और ज्योतिषिओं के लिए यह कार्य कुछ मिनिटों का ही होता है।

हाँ, नियुक्ति से पहले जो गुना भाग करने होते हैं या कुछ वांछित समीकरण बनाने पड़ते हैं, तो बात अलग है, उसके बारे में मुझे कुछ नहीं कहना क्योंकि सब जग जाहिर है।

उस क्रिया के समीकरण बिठाने में समय लगता है। इसलिए वांछित सहायकों को मसला सौंपने में कुछ बिलम्ब हो ही जाता है। परन्तु अमुक शिक्षा मंत्री को ऐसी सभी तैयारियां पूर्व में ही क्यों नहीं करके रखनी चाहिए, ताकि चयन प्रक्रिया में अनावश्यक बिलम्ब न हो? इस सन्दर्भ में मैं इस से अधिक और कुछ लिखने के पक्ष में नहीं हूँ।

मैं ऐसा मानता हूँ कि शिक्षा विभाग में बैठे कतिपय शिक्षा विशेषज्ञ गेस्ट फैकल्टी का अर्थ तो अवश्य जानते होंगे। मैं स्वयं भी सेवा निवृति के पश्चात् सरकार की ऐसी शतरंजी योजनाओं को जानकर भ्रमित हो जाता हूँ।

अभी तक विश्वविद्यालयों में कोंट्राक्टुअल अथवा ठेके पर पढ़ाई का सुना था, वो तरीका भी वास्तव में ठेका विधि न होकर कालांश आधारित मज़दूरी पैटर्न था। अभी भी वह पैटर्न सुचारु रूप से चल रहा है। अब उसमे भले ही बुराइयां अथवा अच्छाइयां हों, जब तक पढ़ने वाले छात्रों को अनुकूल है और उनके अभिवावकों को भी अन्धकार में रख उनके छात्रों को निर्विघ्न पढ़ा कर, परीक्षा करा कर और अंत में डिग्री दिलवा दी जाती है। तो फिर भले ही उन छात्रों को किसी कमी के कारण कोई नौकरी न दे तो शिक्षण संसथान का उसमे क्या दोष हो सकता है? सबका भाग्य तो विधाता लिखता है।

विदेशों के संस्थानों में एक अन्य विधि और अपनाई जाती है जिसे विजिटिंग फैकल्टी/प्रोफेसर कहते हैं। वहां यहाँ जैसी कालांश प्रथा और परिवर्तित ठेका प्रथा का शिक्षा में कोई स्थान नहीं है। विजिटिंग फैकल्टी/प्रोफेसर एक निश्चित समयावधि के लिए अन्य संसथान में शिफ्ट कर जाता है जहाँ वह अपनीएक्सपेर्टीस/विशेषग्यता से वहां के टीचर और विद्यार्थिओं को लाभान्वित करता है। भारत में उत्पादित व् विकसित शिक्षा पध्यति एक अनूठी विधि ही सदैव रही है। राजस्थान राज्य की स्कूली शिक्षा की विशालता एवं व्यापकता की तरफ दृष्टिपात करने पर हम पाते हैं कि प्रदेश में स्कूली शिक्षा मोटे तौर पर तीन भागों में बांटी जा सकती है (1) बेसिक प्राइमरी, (2) सेकेंडरी और (3) सीनियर सेकेंडरी। कक्षाओं के अनुरूप यह वर्गीकरण 1 से 5 कक्षा तक प्राइमरी, 6 से 10 कक्षा तक सेकेंडरी और 11 से कक्षा 12 तक सीनियर सेकेंडरी। पूर्व में सेकेंडरी में एक वर्ग और होता था कक्षा 6 से 8 तक जिसे मिडिल कहते थे। अभी भी अनेक मिडिल स्कूल संचालित अवस्था में मिल जायेंगे।

एक आंकलन के अनुसार राज्य में वर्तमान में 71309 स्कूल संचालित हैं जिनमे 9337490 छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और इन स्कूलों में विभिन्न 20 से अधिक विषय पढ़ाने के लिए 427836 कई श्रेणिओं के अध्यापक व् अन्य सहायक कार्यरत हैं अथवा होने चाहिए।

विगत कुछ समय पूर्व लोक सेवा आयोग राजस्थान ने लगभग 6000 नियुक्तिओं के लिए अधिसूचना जारी की थी, जिसमे 1668 इंग्लिश, 106 उर्दू, 1565 साइंस और 1640 सोशल साइंस में नियुक्तियाँ करनी थी। यह पता नहीं चल पाया कि आयोग ये नियुक्तिआं कर पाया अथवा नहीं?

एक अपुष्ट आंकलन के अनुसार राजकीय स्कूलों में शिक्षकों के लगभग 32000 पद रिक्त हैं। जिनमे लगभग 21 विभिन्न विषयों के पद हैं। यह रिक्तियां एक से अधिक बार जारी की गई लेकिन उन पर सरकार कोई नियुक्ति नहीं करवा सकी। और अब प्राथमिकता सरकार की गेस्ट फैकल्टी से काम चलने की प्रतीत हो रही है। जिसके परिणाम तो एक दो वर्ष पश्चात् ही मिल सकेंगे? तब तक नियुक्ति की आशा संजोने वाले अभ्यर्थी प्रतीक्षा ही करें।

तदुपरांत अखवार के माध्यम से कुछ ख़बरें आईं कि अब रिक्त पद गेस्ट फैकल्टी से भरे जायेंगे। माथा चकरा गया गेस्ट फैकल्टी का सुनकर। सरकार में सम्बंधित अफसर संभवतः गेस्ट फैकल्टी का अभिप्राय ही नहीं जानते। अंठोजी का शब्द बोलना ऐसे लोग तथाकतिथ शिक्षा प्रबंधन में अपनी योग्यता को दर्शाते दिखते हैं। अच्छा रहे कि शिक्षा विभाग अपने सम्बंधित अफसर और सहायकों का समुचित ओरिएंटेशन कराएं फिर उनको विभाग में कार्य निष्पादित करने का दायुत्व सौंपे। फिर भी सरकार के लिए गेस्ट फैकल्टी को परिभाषित करना जरूरी है।

गेस्ट फैकल्टी विषयवार लगेगी क्या और उस फैकल्टी को उस विषय के कितने कालांश प्रति सप्ताह पढ़ाने होंगे? अथवा पूरा विषय वर्षभर गेस्ट अध्यापक को पढ़ना होगा? अथवा क्या गेस्ट फैकल्टी अपना विषय दो तीन माह में पढ़ा कर उस विद्यालय से मुक्त हो जावेगी? और क्या गेस्ट फैकल्टी को दिए गए पारिश्रमिक से वह संतोष कर लेगा? अथवा एक गेस्ट अध्यापक से एक से अधिक विषय पढवाये जायेंगे? इस प्रकार के अनेक प्रश्न स्कूली शिक्षा में उपज सकते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण पक्ष तो यह है कि गेस्ट अध्यापक की क्या जवाबदेही होगी? यदि उस विषय का फाइनल परीक्षा परिणाम असंतोषजनक पाया जाये? क्योंकि वह तो पढ़ा कर अपना पारश्रमिक लेकर स्कूल से चला जायेगा। एक और बात जो सोचने की है वह कि क्या सोशल साइंस का व्यक्ति कोई अन्य विषय यथा साइंस, इंग्लिश, गणित आदि पढ़ा सकेगा?

इसी प्रकार साइंस का वयक्ति क्या भूगोल इंग्लिश अथवा हिंदी पढ़ा सकेगा? इसलिए राज्य के शिक्षा विभाग को इन सभी पक्षों पर व्यवस्थित तरीके से विचार कर ही गेस्ट फैकल्टी पद्धति अपनाने का निर्णय करना उचित होगा। स्नातक स्तर की कक्षाओं में गेस्ट फैकल्टी से कोई विशेष विषय ही पढ़वाया जाता है।

ऐसे में एक से अधिक विषय पढ़वाने के लिए क्या वांछित विषयों के गेस्ट टीचर स्कूलों में लगाने होंगे? वक्तव्य देना बहुत सुगम है परन्तु जब उसे यथार्थ में लागू करना पड़े तो पसीने छूट जायेंगे। फिर भी मेरी यह अनुशंसा है कि सरकार स्थाई नियुक्तियां बिना समय गवाए शीघ्रता से कर दे जिससे नियुक्ति के इंतज़ार में बैठे हज़ारों बीएड अभ्यर्थी नियुक्त होकर शिक्षण का कार्य संभाल सकें और उत्तरोत्तर अपनी विधा में एक उत्तम टीचर के सभी गुण विकसित कर सकें।

–प्रो. (डॉ.) वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेरी विज्ञ,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
उदयपुर, राजस्थान।

असिस्टैंट डायरेक्टर पात्रता जांच के लिए विचारित सूची जारी

> ■ **अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों/नियमों के अनुसार की जाएगी**
>
> ■ **अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन एवं दस्तावेज सत्यापन के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जाएगा**

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा गृह (ग्रुप-1) विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर (डीएनए डिवीजन) पदों के लिए संवीक्षा परीक्षा-2021 के तहत पात्रता की जांच के लिए अभ्यर्थियों की विचारित सूची जारी की गई है। साक्षात्कार के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के बाद जारी की जाएगी। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सचिव एचएल अटल ने बताया कि आयोग द्वारा इन पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के लिए संवीक्षा परीक्षा का आयोजन 10 जून को किया गया था। परीक्षा के फलस्वरूप 12 अभ्यर्थियों को पात्रता की जांच के लिए विचारित सूची में अस्थाई रूप से शामिल किया गया है।

उन्होंने बताया कि जारी की गई विचारित सूची साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची नहीं है। इसका उद्देश्य मात्र दस्तावेज सत्यापन के माध्यम से चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करना है।

अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों/नियमों के अनुसार की जाएगी। पात्रता की समस्त शर्तें नियमानुसार पूर्ण नहीं करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता आयोग द्वारा रद्द कर दी जाएगी। पात्र पाए गए अभ्यर्थियों में से ही साक्षात्कार के लिए परिणाम जारी किया जाएगा। विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन एवं दस्तावेज सत्यापन के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जाएगा।

सहायक आचार्य-ईएएफएम साक्षात्कार तिथि जारी

> ■ **1 दिसंबर से 9 दिसंबर तक साक्षात्कार किया जाएगा**
>
> ■ **अभ्यर्थी मूल प्रमाण पत्र मय फोटो प्रति साथ लाये**

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सोमवार को सहायक आचार्य- ईएएफएम (कॉलेज शिक्षा विभाग) 2020 के पदों की साक्षात्कार दिनांक जारी की गई। निर्धारित कार्यक्रमानुसार 1 दिसंबर से 9 दिसंबर तक साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा।

आयोग सचिव एचएल अटल ने कहा कि अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे। जिन अभ्यर्थियों ने विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग को प्रस्तुत नहीं किए हैं, वे अभ्यर्थी विस्तृत आवेदन-पत्र साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियों सहित आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें। विस्तृत आवेदन-पत्र को आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। साक्षात्कार में सम्मिलित होने वाले सभी अभ्यर्थी अपने समस्त मूल-प्रमाण पत्र मय फोटो प्रति अवश्य साथ लाएं। इनके अभाव में अभ्यर्थियों को साक्षात्कार से वंचित कर दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा जारी कोरोना गाइडलाइन की पालना भी करनी होगी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 22 नवम्बर, 2022

मार्गशीष मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, स्वाती नक्षत्र रात्रि 11:12 तक, सौभाग्य योग सांय 6:37 तक, वणिज करण प्रातः 8:50 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृष, बुध-वृश्चिक, गुरू-मीन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा प्रातः 8:50 से सांय 7:52 तक रहेगी। सायन सूर्य धनु में दिन 1:51 पर प्रवेश करेगा। आज चतुरदशी तिथि का क्षय हुआ है। आज मास शिवरात्रि है, आज से राष्ट्रीय मार्गशीर्ष मास आरम्भ होगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:34 से 10:53 तक, लाभ-अमृत 10:53 से 1:32 तक, शुभ 2:51 से 4:11 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:55, सूर्यास्त 5:30

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
धार्मिक-मांगलिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी और व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग
भारत सरकार

देश के विकास में नई ऊर्जा का संचार

भारत सरकार में 10 लाख नियुक्तियों के लिए रोजगार मेला

हमारी सरकार हमारी युवाशक्ति के लिए
नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए कई प्रयास कर रही है,
ताकि उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने और विकसित भारत
के निर्माण में योगदान देने का उचित मंच मिल सके।
– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा
देशभर में 45 स्थानों पर
71 हजार
नव–नियुक्त युवाओं को
नियुक्ति पत्र का वितरण

22 नवम्बर 2022, प्रात: 10:30 बजे

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

- रोज़गार मेला के तहत प्रधानमंत्री जी द्वारा 22 अक्टूबर 2022 को 75 हज़ार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गये
- एक साल में 10 लाख युवाओं को मिलेगी भारत सरकार में नौकरी
- विशेष ऑनलाइन सिस्टम से खाली पदों एवं भर्ती प्रक्रिया की निगरानी
- सभी नियुक्तियां यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड जैसी एजेंसियों के माध्यम से की जा रही हैं
- महिलाओं, दिव्यांगजन और आकांक्षी जिलों के अभ्यर्थियों को होगा विशेष लाभ
- सरल, निष्पक्ष और पारदर्शी चयन प्रक्रिया
- चयनित युवाओं के ऊर्जावान सोच और कौशल से राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मिलेगी मजबूती

DD NEWS डीडी न्यूज पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें

CBC 32201/13/0004/2223

भारतीय थल और वायु सेना का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'शत्रुनाश'

जमीनी और हवाई दस्तों का इस्तेमाल करते हुए एकजुटता दिखाई

बीकानेर, (का.सं.)। राजस्थान के थार मरुस्थल में स्थित भारतीय सेना की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के अंतर्गत सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान ने दुर्गम संयुक्त फायर पावर का परिचय देते हुए सोमवार को अभ्यास 'शत्रुनाश' को अंजाम दिया। इस एकीकृत सैन्य अभ्यास में भारतीय सेना के साथ-साथ वायुसेना भी शामिल थी, जिसमें जमीनी और हवाई दस्तों का इस्तेमाल करते हुए एकजुट तरीके से विभिन्न फायरिंग प्लेटफॉर्म्स का उपयोग किया गया।

राजस्थान के थार मरूस्थल में स्थित महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के अंतर्गत सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान ने दुर्गम संयुक्त फायर पावर का परिचय दिया।

आज के आधुनिक समय में मौजूद नवीन तकनीकों को मद्देनजर रखकर व्यापक और उभरते खतरों को दूर करने के लिए सेना द्वारा इस अभ्यास में अलग-अलग गतिविधियों को दर्शाया गया, जिसमें दुश्मन के इलाके में स्पेशल फोर्स गुप्त रूप से घुसकर आक्रामक जमीनी कार्यवाही करता है तथा लड़ाई के हालत और युद्ध की गतिविधियों को सभी दस्तों के साथ साझा करने का अभ्यास भी किया गया।

इस सैन्य अभ्यास के दौरान संयुक्त दस्तों और उपकरणों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें भीष्मा (ऊ-90टैंक), अजेया (ऊ-72टैंक), ख्9 वज्र और शरंग आर्टीगन स्पेशल फोर्स भारतीय वायुसेना के आधुनिक फाइटरजेट्स और आर्मी एविएशन के एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (रुद्रा) भी शामिल हुए। सैनिकों के आला दर्जे के प्रशिक्षण और तालमेल की सराहना करते हुए जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ, सप्त शक्ति कमान, लेफ्टिनेंट जनरल ए एस भिंडर ने विभिन्न कॉम्बैट और कॉम्बैटस पोर्ट दस्तों को शाबाशी दी। उन्होंने 'आत्मनिर्भर भारत' या 'मेक इन इंडिया' के तहत शामिल की गई स्वदेशी प्लेटफॉर्म्स एवं उपकरणों की भी सराहना की।

इसके अलावा जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ ने भविष्य में बदलते हुए हालात को मद्देनजर रखते युद्ध को सुचारू रूप से लड़ने के लिए खुद की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ संयुक्त युद्ध अभ्यास में महारत हासिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ ने सभी प्रतिभागियों को उच्च स्तर का प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी और बेहतर ऑपरेशनल तैयारियों की दिशा में प्रयास करने का आवाहन किया।

बदमानी के डर से प्रेमी युगल की हत्या, आरोपी पुजारी गिरफ्तार

दोनों के परिवार पुजारी के संपर्क में थे, तांत्रिक से प्रेमी नाराज थे

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में गोगुन्दा कस्बे के केलावाडी के जंगल में मिले प्रेमी युगल के शव की हत्या का पुलिस ने 72 घंटे में पटाक्षेप करते हुए मामले में पुजारी को गिरफ्तार किया। प्रेम संबधों को उजागर करने से दोनों ने पुजारी को धमकाया था। इसी के चलते पुजारी ने दोनों की हत्या कर दी।

प्रकरण के अनुसार 18 नवबर को गोगुन्दा के केलावाडी जंगल में युवक व युवती का शव पडा मिला था। दोनों अर्धनग्नावस्था में थे एवं उनके शरीर पर चोट के निशान थे। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतकों की शनाख्त पलोदड़ा फला पदमावत हॉल राजकीय प्रा. वि. खाना खेड़ी के अध्यापक राहुल पुत्र चतरसिंह मीणा के रूप में तथा युवती की शिनाख्त मदार निवासी सोनू कुंवर पुत्री भूरसिंह के रूप में कर मृतकों का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप कर अंतिम संस्कार करवाया।

उदयपुर जिले में गोगुन्दा कस्बे के केलावाडी के जंगल में मिले प्रेमी युगल के शव की हत्या का पुलिस ने 72 घंटे में पटाक्षेप करते हुए पुजारी को गिरफ्तार किया।

इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया के निर्देशन में गोगुन्दा थानाधिकारी योगेन्द्र व्यास के नेतृत्व में गठित दल ने मौके से मिले साक्ष्यों एवं परिजनों से मिली जानकारी अनुसार प्रेमी युगल की हत्या करते हुए आरोपी पादरड़ी बडी सागवाड़ा डूंगरपुर हॉल यूनिवरसिटी रोड़ एवं इच्छापूर्ण शेषनाग बावजी मंदिर भदवीगुडा के पुजारी भालेश कुमार पुत्र गणेशलाल जोशी को गिरफ्तार किया। मामले का खुलासा करने में कांस्टेबल नन्दकिशोर की विशेष भूमिका रही। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि सात आठ वर्ष से इच्छापूर्ण शेषनाग बावजी मंदिर भादवी गुडा में पुजारी हूं तथा वहां आने वाले, दुखी जनता के कष्टों के निवारण के लिए ताबीज व मणकों की माला उन्हें देता हूं। पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया गया कि 7-8 साल से इच्छापूर्ण शेष नाग बावजी मन्दिर, भादवी गुडा में पुजारी के रूप में जनता के दुख कष्ट निवारण हेतु ताबीज व मणको की माला अपने अनुयायीयों को देता है। सोनू कुंवर के परिजन अपनी समस्याओ के चलते मेरे संपर्क में आये तथा उसकी वैवाहिक जीवन की समस्या बताई तथा मैने उनके निराकणर के लिए ताबीज बनाकर उन्हे दिए। राहुल के परिजन भी परिचित थे एवं हर रविवार को बावजी के दर्शन के लिये आते रहते थे। मंदिर में दर्शन के दौरान सोनू व राहुल में संपर्क हुआ। कुछ समय बाद पत्नी से झगडा ओर परेशानी होने राहुल के परिजनों ने संपर्क कर मुझसे इसका उपाय व समझाईश करने का कहा। मैनें इनकी हरकतो का पता कर उनके परिजनों को बताया था। जिससे दोनों मुझसे नाराज हो गए। गत चार पांच माह से मुझे बदनाम करने व कहीं का नहीं छोडने की धमकी देना शुरू कर दिया। जिससे मेरी प्रतिष्ठा खराब होने का भय सताने लगा तथा मैने दोनों को रास्ते से हटाने का प्लान बना हत्या कर दी।

आरोपी ने योजनानुसार दुकानों से फैवीक्वीक खरीद कर मंदिर में रख ली। दोनों को अंतिम बार मिलने के लिए राजी कर 15 नवंबर को शास्त्री सर्किल बुलाया। जहां से उबेश्वरजी की तरफ ले जाने के बाद दोनों ने संबंध बनाने की गुजारिश की। जहां घटनास्थल पर सबंध बनाने के दौरान फेविक्विक की बोतल उपर डालकर चाकु और पत्थर से दोनों की हत्या कर वहां से निकल गया और सामान्य व्यवहार करता हुआ अगले दिन बूंदी जिले की तरफ किसी भक्त के यहां निकल गया।

जांच कमेटी ने देखे गाजर मंडी के हालात

श्रीगंगानगर, (निसं.)। शहर के निकट गांव साधुवाली में लगने वाली गाजर मंडी में गाजर की धुलाई नहीं करने के सिंचाई विभाग के आदेश के बाद सोमवार को जांच के लिए अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसडीएम मनोज कुमार मीणा और सिंचाई विभाग के एसई धीरज चावला ने मंडी के हालात देखे। उन्होंने किसानों से मंडी के बारे में जानकारी ली और एलएनपी नहर से कालूवाला तक नहर के हालात देखे। इस संबंध में जल्द ही एडीएम उम्मेदसिंह रतनू को रिपोर्ट दी जाएगी।

नहर पर गाजर मंडी करीब एक सप्ताह पहले शुरू की गई है। पिछले करीब साठ साल से किसान नहर किनारे खेतों में पकी गाजर धो रहे हैं। खेतों में पकी गाजर मिट्टी से सनी रहती है। धुलाई के बाद रंग और चमक दिखने लगते हैं। सिंचाई विभाग ने इस पर आपत्ति जताई। गंगनहर के एसई धीरज चावला ने श्रीगंगानगर सब्जी उत्पादक संघ के अध्यक्ष अमरसिंह को पत्र भेजकर मंडी का काम रोकने का आदेश दिया था। आदेश में कहा गया था कि नहर किनारे गाजर धुलाई से नहर में सिल्ट जमा होती है और इससे टेल के किसानों तक पानी नहीं पहुंच पाता है।

श्रीगंगानगर सब्जी उत्पादक संघ के जिलाध्यक्ष अमरसिंह का कहना है कि मौके पर जांच के लिए आए एसडीएम मनोज मीणा और गंगनहर एसई धीरज चावला को किसानों ने मंडी को चलते रहने देने का आग्रह किया है। अमरसिंह ने बताया कि उन्होंने यहां मंडी संचालन की एवज में कुछ शुल्क जमा करवाने का भी विश्वास दिलाया है।

बेकाबू निजी बस ने कांस्टेबल का सिर कुचला

निजी बसों की अनियंत्रित रफ्तार बन रही है दुर्घटनाओं का कारण

लालसोट, (निसं)। दौसा जिले में मंडावरी थाना क्षेत्र के सुरतपुरा ग्राम के पास बेपलावत की ढाणी के सामने निजी बस कैला देवी एक्सप्रेस की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार पुलिस कांस्टेबल राजेंद्र मीणा की मौत हो गई। निजी बस ने एक अन्य मोटरसाइकिल चालक को भी चपेट में लिया, जिसका पांव बुरी तरह कुचल गया।

सड़क दुर्घटना में मृतक पुलिस कांस्टेबल राजेंद्र मीणा लालसोट उपखंड के झापदा थाने में कार्यरत था। सोमवार की सुबह मृतक कांस्टेबल राजेंद्र कुमार मीणा किसी जरूरी कार्य को निपटा कर थाने की तरफ जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बेकाबू कैला देवी एक्सप्रेस निजी बस द्वारा आमने-सामने चपेट में लेते हुए मोटरसाइकिल सवार पुलिस कांस्टेबल राजेंद्र मीणा को सड़क पर ही कुचल दिया। कांस्टेबल जमीन पर गिरा एवं निजी बस का सिर के ऊपर होकर गुजर गया। इस भीषण सड़क दुर्घटना के बाद आसपास से गुजर रहे लोगों द्वारा घटना की जानकारी मंडावरी थाना पुलिस एवं 108 एंबुलेंस को दी गई। इसके बाद 108 एंबुलेंस द्वारा घायल मोटरसाइकिल सवार एवं मृतक कांस्टेबल राजेंद्र कुमार मीणा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावरी पहुंचाया गया।

दौसा पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार गोयल ने सड़क दुर्घटना में पुलिस कांस्टेबल की मौत के बाद घटना से जुड़ी जानकारी ली।

- दौसा जिले में मंडावरी थाना क्षेत्र के बेपलावत की ढाणी के सामने सड़क हादसा
- लोगों ने आरोप लगाया कि निजी बसों का संचालन ज्यादातर अवैध

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार गोयल द्वारा घटनास्थल का जायजा लिया एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर थाना प्रभारी रामपाल मीणा से जानकारी ली। इस निजी बस की बेकाबू रफ्तार एवं अनियंत्रित परिवहन के कारण कांस्टेबल की जान जाने के बाद एवं एक अन्य मोटरसाइकिल सवार के गंभीर घायल होने के समाचार प्राप्त हुए लोगों में भारी रोष व्याप्त हो गया।

घायल एक मोटरसाइकिल सवार की हालत ज्यादा गंभीर होने के कारण मंडावरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों द्वारा हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया। वहीं मृतक पुलिस कांस्टेबल राजेंद्र कुमार का शव परिजनों के आने के बाद पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। सड़क दुर्घटना को अंजाम देने वाली निजी परिवहन बस कैलादेवी एक्सप्रेस को पुलिस द्वारा जप्त कर थाने में खड़ा किया गया है। दुर्घटना को लेकर थाने में मामला दर्ज कर पुलिस कानूनी कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

लोगों का कहना है कि यह कैलादेवी एक्सप्रेस व अन्य नाम से संचालित निजी बसें परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित गति से दोगुनी से भी ज्यादा रफ्तार में घनी आबादी वाली जगह से गुजरती है एवं अब तक इन बेकाबू निजी बसों की रफ्तार की कहर की चपेट में आने से कई मौतें हुई है एवं कई लोग गंभीर घायल हुए हैं।

लोगों ने तो आरोप लगाया कि यह निजी बसों का संचालन ज्यादातर अवैध रूप से हो रहा है, इनका परमिट कहीं जगह होकर मिला है तो संचालन कहीं दूसरी जगह से हो रहा है।

पुलिस निगरानी में बंटी खाद

वैर, (निस)। भरतपुर जिले के वैर में किसानों को खाद की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। जहां सोमवार को क्रय विक्रय सहकारी समिति पर खाद आने की सूचना मिली तो किसानों की भीड़ खाद लेने के लिए उमड़ पड़ा। पुलिस की मौजूदगी में 600 खाद के कट्टों का वितरण किया गया।

इसके अलावा धाकड़ खाद बीज भंडार पर 250 खाद के कट्टे वितरण किए। सहायक कृषि अधिकारी मुनीम सिंह गुर्जर ने बताया कि सोमवार को क्रय विक्रय सहकारी समिति पर 600 खाद के बैग तथा धाकड़ खाद बीज की दुकान पर 250 खाद के बैग किसानों के लिए वितरण किए गए। एसडीएम मुनिदेव यादव के निर्देशन में खाद का उचित दर पर वितरण किया। सहायक कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि किसान आवश्यकता अनुसार यूरिया खाद खरीदें, अनावश्यक भंडारण नहीं करें। राज्य सरकार यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है।

युवक ने फांसी लगा आत्महत्या की

मदनगंज-किशनगढ, (निसं)। किशनगढ सिटी थाना अन्तर्गत नया शहर में युवक ने फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। आत्महत्या किस कारण से की है फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया। पुलिस के अनुसार नया शहर निवासी दीपक रेगर (21) ने घर में फांसी लगाकर इहलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

राजस्व अधिकारियों की कार्यशाला 23 से

- राजस्व मंडल के अधीनस्थ पीठासीन अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय निर्णय लेखन कार्यशाला 23 नवम्बर से

अजमेर, (कासं)। राजस्व मंडल की ओर से तीन दिवसीय निर्णय लेखन कार्यशाला का आयोजन 23 से 25 नवंबर तक अजमेर के राजस्व अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में होगा। कार्यशाला में संपूर्ण राजस्थान के अधीनस्थ न्यायालयों के पीठासीन अधिकारी भाग लेंगे।

राजस्व मंडल के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह की नवाचारी पहल के तहत राज्य में राजस्व न्यायालयों के लिए यह दूसरी निर्णय लेखन कार्यशाला आयोजित की जा रही है। राजस्व मंडल निबंधक महावीर प्रसाद ने बताया कि कार्यशाला का शुभारंभ सत्र 23 नवंबर की सुबह 10:30 स होगा जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह करेंगे।

शुभारंभ सत्र के बाद मंडल सदस्य खजान सिंह राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत कानून एवं अधिनियम पर व्याख्यान देंगे। वहीं दोपहर पश्चात मंडल सदस्य सत्तार खान श्रेष्ठ निर्णय के लिए महत्वपूर्ण सामग्री, शाम 4 बजे मंडल सदस्य रामनिवास जाट राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 एवं राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के अनुच्छेद 88 पर चर्चा करेंगे।

इसी प्रकार 24 नवंबर को प्रात:कालीन सत्र में राजस्व मंडल के अधिवक्ता अशोक अठावाल कानूनी विषयों पर चर्चा करेंगे। मध्याह्न सत्र में आरआरटीआई के प्रशिक्षण सलाहकार एचएसयू असनानी प्रॉपर इंप्लीमेंटेशन ऑफ प्रोसीजरल लॉज एंड रूल्स विषय पर व्याख्यान देंगे। मध्यान्ह पश्चात समस्या समाधान सत्र आयोजित होगा। दोपहर 2:30 बजे सेवानिवृत्त आरएएस अनिल कुमार वार्ष्णेय निर्णय लेखन के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करेंगे।

शाम 4 बजे से सेवानिवृत्त आरएएस एनएस चौहान राजस्व न्यायालयों में नामांतरण प्रक्रिया पर विचार रखेंगे। कार्यशाला के अंतिम दिन 25 नवंबर को सुबह 10:30 से राजस्व मंडल के अधिवक्ता घनश्यामसिंह लखावत राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे।

मध्यान्ह में आरआरटीआई के प्रशिक्षण सलाहकार एचएसयू असनानी निर्णय गुणवत्ता सुधार पर सुझाव देंगे अपराह्न सत्र में राजस्व मंडल के सदस्य सुरेंद्र कुमार पुरोहित निर्णय लेखन एवं विभिन्न विधिक प्रावधानों पर चर्चा करेंगे।

शाम 4 बजे समापन अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह पूर्व में आयोजित निबंध लेखन एवं निर्णय लेखन प्रतियोगिताओं के उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित करेंगे। संयोजन आरआरटीआई निदेशक चेतन कुमार त्रिपाठी करेंगे।

चार बच्चों व पत्नी की हत्या कर खुद फंदे पर लटका

- गोगुन्दा कस्बे के झड़ोली गांव में एक ही परिवार के छह जनों की मौत
- अनुसंधान में आर्थिक तंगी के चलते घटना को अंजाम देना आया सामने
- घटना से गांव में फैली सनसनी, पुलिस ने जुटाए साक्ष्य

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के गोगुन्दा कस्बे के झाड़ोल गांव में सोमवार को एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी व चार बच्चों की गला दबाकर हत्या कर खुद फांसी पर लटक आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। प्रारंभिक अनुसंधान में आर्थिक तंगी के चलते युवक द्वारा घटना को अंजाम देना सामने आया है।

गोगुन्दा कस्बे के झड़ोल गांव निवासी प्रकाश पुत्र सोहनलाल गमेती ने अपनी पत्नी दुर्गा, पुत्र गणेश, पुष्कर, रोशन तथा चार माह का दुधमुंहे बच्चे गंगाराम की हत्या कर दी। इसके बाद खुद ने फांसी के फंदे पर लटकर आत्महत्या कर ली। परिवार के सभी लोगों के घर के अंदर मृत मिलने और खुदकुशी करने के बाद गांव में सनसनी फैल गई। घटनास्थल के अनुसार प्रकाश ने पहले पत्नी, चार बच्चों का गला घोंट हत्या की और इसके बाद खुद फांसी पर लटक गया।

प्रकाश के घर के आंगन में सुबह चहल-पहल नहीं दिखाई देने पर पड़ौसियों ने घर के अंदर देखा तो प्रकाश और दो बच्चों के शव फांसी के फंदे पर लटके हुए थे वहीं दुर्गा व दो बच्चों के शव जमीन पर पड़े थे। प्रकाश खाना बनाने का काम करता था तथा बीते पांच माह से मानसिक संतुलन ठीक नहीं होने के साथ बीमार व परेशान चल रहा था।

सूचना पर गोगुन्दा थानाधिकारी योगेन्द्र व्यास मय जापत ने मौके पर पहुंच उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इस पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुंदन कुवंरिया, प्रशिक्षु आईपीएस अभिषेक शिवहरे ने मौके पर पहुंच कर डाग स्क्वायड, एफएसएल टीम को बुलवा कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए तथा मृतकों के शवकों को गोगुन्दा चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। वहीं मृतका दुर्गा के पीहर तिरोल गांव की रोही डाल की भागल सूचना दी। पीहर पक्ष के आने पर पुलिस ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास

धौलपुर, (नि.सं.)। करीब 3 वर्ष पुराने धौलपुर जिले के बहुचर्चित हत्याकांड में एससी एसटी कोर्ट धौलपुर के जज नरेंद्र मीणा ने फैसला सुनाया है। जिसमें भाजपा धौलपुर के पूर्व जिला अध्यक्ष बांकेलाल लोधा और उनके बेटे पूर्व सरपंच आशीष लोधा सहित 4 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लोक अभियोजक माहिर हसन रिजवी व परिवादी पक्ष के वकील सुरेंद्र कुमार शर्मा एवं मुकेश भट्ट ने बताया कि 23 नवंबर 2019 को बाबूलाल लोधा निवासी तगावली धौलपुर की गांव के पास ही खेत में जमीन के विवाद में तगावली गांव के ही निवासी भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बांके लाल लोधा पुत्र श्यामलाल एवं उनके बेटे तत्कालीन सरपंच आशीष लोधा एवं बांकेलाल के भाई महेंद्र लोधा तथा इनके यहां कार्य करने वाले लोकमन सहित अन्य ने लाठी-डंडों से पीट पीट कर खेत में बाबूलाल की हत्या कर दी थी। इसके बाद मौके पर मामले को हत्या की जगह दुर्घटना का रूप देने के लिए ट्रैक्टर को पलटा गया था। घटनाक्रम को लेकर पीड़ित पक्ष की ओर से कोतवाली थाना धौलपुर में मुकदमा दर्ज कराया गया। जिसमें बांकेलाल लोधा, आशीष लोधा, महेंद्र लोधा व लोकमन सहित 10 आरोपियों को नामजद हत्या का आरोपी बताया गया था। लेकिन पुलिस ने जांच में बांकेलाल, आशीष, महेंद्र और लोकमन को ही हत्या का आरोपी माना तथा कोर्ट में 4 आरोपियों के खिलाफ चालाना पेश कर दिया।

हाकिम बैंसला, कैप्टन जगराम ने विजय बैंसला को अध्यक्ष नहीं माना

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का विरोध नहीं करने की बात कही

करौली, (नि.स.) । करौली में राजस्थान गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति (मूल) ने एक प्रेस वार्ता कर गुर्जर आरक्षण समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला को अपना अध्यक्ष मानने से इनकार कर दिया है ।

हाल ही में गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के प्रणेता स्व. कर्नल किरोडी सिंह बैंसला के पुत्र विजय बैंसला द्वारा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का विरोध करने की चेतावनी जारी की। जिसका राजस्थान गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति (मूल) के प्रवक्ता हाकिम सिंह बैंसला और वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैप्टन जगराम सिंह ने सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि गुर्जर समाज राहुल गांधी की राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा का विरोध नहीं करेगा, हमारी मांगें राजस्थान सरकार से है, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से है।

श्री महावीरजी में आगामी 24 नवंबर को मुख्यमंत्री का प्रस्तावित दौरा है, अगर तीन दिवस में सरकार हमारी मांगों को पूरा करती है तो स्वागत है, मांगे नहीं मानती है तो श्री महावीरजी में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का काले झंडे दिखाकर विरोध किया जाएगा।

सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित हाकिम सिंह गुर्जर के निवास पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान गुर्जर आरक्षण समिति के प्रवक्ता हाकिम सिंह गुर्जर और वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैप्टन जगराम सिंह ने संघर्ष समिति का नाम भी बदलते हुए राजस्थान गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति (मूल) रख दिया है। जिसे गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला कि बताते हुए कहा कि विजय बैंसला को पुरानी और मूल आरक्षण समिति अपना अध्यक्ष नहीं मानती है। उन्होंने कहा कि कर्नल बैंसला ने अपने आवास पर विजय बैंसला को राजस्थान गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति की कमान सौंपी, लेकिन उनसे कहा कि 10 लोगों की कमेटी से पूछ कर काम करना। उन्होंने पुष्कर में जो घटना को अंजाम दिया, राजनीतिकरण किया। जिस सरकार ने गुर्जर आरक्षण आंदोलन को कुचला हो आंदोलनकारियों को मारा हो उन लोगों को पुष्कर में बुलाया गया। उसी दिन गुर्जर समाज ने तय कर लिया कि विजय बैंसला गुर्जर आरक्षण समिति का अध्यक्ष नहीं है, वह समाज को तोड़ने का काम कर रहे ह, राजनीति कर रहे हैं, इसलिए गुर्जर समाज विजय बैंसला को अध्यक्ष नहीं मानता।

राजस्थान गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति (मूल) के प्रवक्ता हाकिम सिंह बैंसला और वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैप्टन जगराम सिंह ने प्रेसवार्ता की।

- प्रेस वार्ता कर गुर्जर आरक्षण समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला को अध्यक्ष मानने से इनकार किया

प्रेस वार्ता के बाद गुर्जर आरक्षण समिति संघर्ष (मूल) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगराम सिंह के नेतृत्व में जितेन्द्र सिंह बैसला, राजवीर सिंह गुर्जर,पार्षद दशरथ गुर्जर आदि ने कलेक्टर अंकित सिंह को 12 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रस्तावित दौरे से पहले हमारी 12 सूत्रीय मांगों को पूरा किया जाए, अन्यथा गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति व गुर्जर समाज मुख्यमंत्री का काले झंडे दिखाएगा।

'पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाया तो पार्टी का बंटाधार हो जाएगा'

वन मंत्री हेमाराम चौधरी के बाद अब सुचित्रा आर्य ने उठाई मांग

- **स्टेट एग्रीकल्चर बोर्ड की उपाध्यक्ष सुचित्रा आर्य ने कहा, ''पायलट आज जहां भी जाते हैं, लाखों आदमी इकट्ठा होते हैं, अगर उन्हें सी.एम. बनाया गया तो सरकार दोबारा बन जाएगी''**
- **आर्य ने कहा, '' 25 सितंबर को टेंट, बसें और इस्तीफों पर जबरन दस्तखत साफ बता रहे थे, अनुशासनहीनता के साथ पार्टी के विरुद्ध षड्यंत्र हुआ है''**

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान की कांग्रेस सरकार में बदलाव को लेकर बयानबाजी का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा, मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के बाद पहले वन मंत्री हेमाराम चौधरी ने राजस्थान में जीत के लिए सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाए जाने की आवश्यकता बताई, वहीं अब स्टेट एग्रीकल्चर इंडस्ट्री बोर्ड की उपाध्यक्ष सुत्रित्रा आर्य ने कहा कि सचिन पायलट को अब मुख्यमंत्री बना देना चाहिए, अति हो गई है। पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाया तो पार्टी का बंटाधार हो जाएगा।

मीडिया से बात करते हुए सुचित्रा आर्य ने कहा कि प्रदेश में असमंजस की स्थिति को जल्द से जल्द दूर किया जाना चाहिए। असमंजस के हालात को जल्द दूर नहीं किया तो स्थिति और बिगड़ सकती है। वैसे भी हेमाराम चौधरी का बयान आने के बाद कुछ कहना बाकी नहीं रह गया है। कांग्रेस में सचिन पायलट बड़ा चेहरा हैं। पायलट आज जहां भी जाते हैं, लाखों आदमी उनका भाषण सुनने इकट्ठा होते हैं। अब अति हो गई है। सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बना देना चाहिए। पंजाब वाली स्थिति राजस्थान में नहीं है। सचिन पायलट को सीएम बना दिया जाता है तो सरकार दोबारा बन जाएगी। पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाया तो फिर पार्टी का बंटाधार होगा। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कहा कि राहुल गांधी के राजस्थान में घुसने की देर है। पूरा राजस्थान राहुल के पीछे खड़ा है। राजस्थान में यात्रा को लेकर भारी उत्साह है। इसी के साथ सुचित्रा आर्य ने 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने वाले तीनों नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करते हुए लिखा था कि 25 सितंबर को टेंट, बसें और इस्तीफों पर जबरन दस्तखत साफ बता रहे थे, अनुशासनहीनता के साथ पार्टी के विरुद्ध षड्यंत्र हुआ। सरकार में प्रमुख ओहदे पर रहते हुए पार्टी हाईकमान की अवहेलना करके अनुशासन तोड़कर दूषित परम्परा कायम करना चाहते थे। उस घटना से संगठन के नेता, कार्यकर्ता तो आहत हैं ही, पार्टी विचारधारा से सहमति रखने वाला आम वोटर भी आहत है। पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाले अनैतिक काम को कतई स्वीकार नहीं करना चाहिए, पार्टी हित में कठोर कार्रवाई जरूरी है।

इससे पहले सचिन पायलट समर्थक वन मंत्री हेमाराम चौधरी ने सियासी बवाल के जिम्मेदार तीनों नेताओं पर जल्द कार्रवाई करने और पायलट को जिम्मेदारी देने की मांग उठाते हुए कहा था कि 25 सितंबर को हुए घटनाक्रम के बाद राजस्थान में कांग्रेस कार्यकर्ता व जनता में अनिश्चितता का वातावरण है। सरकार अनिश्चितता से गुजर रही है। हाईकमान को 25 सितंबर की घटना के जिम्मेदार तीनों नेताओं के खिलाफ जल्द कार्रवाई करनी चाहिए। सचिन पायलट ने विपक्ष में रहते हुए पार्टी को फिर से जीवित किया। उनकी वजह से ही पार्टी सत्ता में आई। पायलट ने मेहनत की, उस मेहनत को देखते हुए उन्हें जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। अगर एक तरफा चलेंगे तो पार्टी को नुकसान होगा।

राज्य में दो दिन बाद करोना से फिर एक और संक्रमित की मौत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में दो दिन बाद सोमवार को करोना से फिर एक और मरीज की मौत हुई है। वहीं इस दौरान 20 नए संक्रमित मिले हैं। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में नए संक्रमितों के बराबर रिकवरी होने से एक्टिव केस 209 पर ही बने हुए हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में झुंझुनूं में करोना से एक मरीज की मौत हुई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 9652 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में सोमवार को 8 जिलों में 20 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 19 रोगी पाए गए थे। इधर आज राज्य में सबसे ज्यादा 5 नए संक्रमित राजसमंद में मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर व सिरोही में 4-4, नागौर में 3 तथा डूंगरपुर, जयपुर, झुंझुनूं और उदयपुर में एक-एक नया संक्रमित मिला। इस बीच राज्य में केवल 942 जांचे की गई है।

प्रदेश में सोमवार को 20 संक्रमित ठीक हुए हैं। वहीं फिलहाल 209 एक्टिव केस मौजूद है। इनमें राजधानी जयपुर में 72 मरीजों का इलाज चल रहा है। जयपुर में आज केवल मालवीय नगर में 1 नया संक्रमित मिला है।

खेल अफसरों का तनाव दूर करने में मददगार साबित होंगे : डीजीपी

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने सोमवार को जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में आयोजित अष्ठम राजस्थान राज्य सचिव सेवा सी एस चैलेन्जर कप टेनिस प्रतियोगिता 2022-23 के समापन पर विजेता अधिकारियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया।

जयपुर, (का.सं.)। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा कि खेल मानसिक दक्षता संवर्धन के लिए जरूरी है, इसलिये इस तरह के प्रतियोगिता से अधिकारियों के मध्य सामनजस्य बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आज प्रशासनिक अधिकारियों का कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण है, ऐसे में खेल काफी हद तक अधिकारियों के तनाव को दूर करने में मददगार साबित होंगे।

मिश्रा सोमवार को जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में आयोजित अष्ठम राजस्थान राज्य सचिव सेवा सी एस चैलेन्जर कप टेनिस प्रतियोगिता 2022-23 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रतियोगिता के समापन समारोह के अवसर पर विजेता अधिकारियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया। इस मौके पर युवा और खेल मामलात विभाग के शासन सचिव नरेश कुमार ठकराल ने भी संबोधित किया। जयपुर संभागीय आयुक्त अन्तर सिंह नेहरा कार्यक्रम की अध्यक्षता की। समारोह में जयपुर कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने स्वागत संबोधन दिया और प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर सभी जानकारियां साझा की।

19 नवंबर से 21 नवंबर तक आयोजित हुई प्रतियोगिता में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष नवीन महाजन की अगुवाई में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल मुकाबले में भारतीय पुलिस सेवा की टीम के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए टेनिस प्रतियोगिता में खिताब अपने नाम कर लिया। सोमवार को एसएमएस स्टेडियम में खेले गए वेर्टन्स डबल्स खिताबी मुकाबले में नवीन महाजन और शरद मेहरा की जोडी ने आईपीएस सौरभ श्रीवास्तव और डॉ. रवि की जोड़ी को 9-3 से हराया तो वहीं, ओपन डबल्स में नवीन महाजन और रवि जैन की जोड़ी ने आईपीएस सुधीर चौधरी और जय यादव की जोड़ी को 9-0 से मात दी।

कर्मचारियों का आंदोलन जारी

जयपुर, (का.सं.)। शहर की निचली अदालत में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के न्यायिक अधिकारी के घर आत्मदाह से जुड़े मामले में अधीनस्थ अदालतों के कर्मचारियों ने सोमवार को भी सामूहिक अवकाश जारी रखा। वहीं घटना की सीबीआई जांच और न्यायिक अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच की मांग के साथ-साथ कर्मचारियों ने मृतक कर्मचारी के आश्रितों को पचास लाख रुपए का मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी की मांग भी जोड़ दी है। वहीं कर्मचारियों ने आंदोलन को तेज करते हुए क्रमिक अनशन शुरु कर दिया है।

मंत्री मीणा ने माइक पर कलेक्टर से कहा, ''आप यहां से जाइए''

- **भाषण के दौरान कलेक्टर फोन पर बात करते दिखे तो बोले मंत्री, ''हमारी बात क्यों नहीं सुन रहे, क्या सरकार पर ब्यूरोक्रेट इतने हावी हो गए हैं?''**
- **इधर जयपुर में डोटासरा बोले बिना तैयारी के आईएएस आते हैं बैठक में**

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस सरकार के मंत्री- विधायकों की अधिकारियों के प्रति नाराजगी आए दिन सामने आती रहती है। इसी नाराजगी के चलते मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास की एसीआर भरने की मांग के साथ अधिकारियों की ओर से जनप्रतिनिधियों को तवज्जो नहीं दिए जाने पर नाराजगी सामने आई है। इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने जयपुर में एजी अधिकारियों के कार्यक्रम में आईएएस अधिकारियों को निशाने पर लेते हुए कहा कि एजी अधिकारी जहां अपडेट रहते हैं, वहीं आईएएस अधिकारी बिना तैयारी के बैठकों में आ जाते हैं। इसी क्रम में पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा ने बीकानेर में एक कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल के व्यवहार से नाराज होकर उन्हें हॉल से बाहर निकाल दिया।

पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा बीकानेर के रविंद्र रंग मंच पर राजीविका से जुड़ी महिलाओं से संवाद कर रहे थे। उस वक्त कलेक्टर भगवती प्रसाद मोबाइल फोन पर बात कर रहे थे। यह देखकर मंत्री मीणा नाराज हो गए। माइक पर ही उन्होंने कलेक्टर से कहा कि आप यहां से जाइये। तब कलेक्टर बाहर चले गए। बाद में लोगों के बुलाने पर वापस आ गए। यह वाकया तब हुआ, जब कार्यक्रम के दौरान मीणा सरकार की योजनाओं के बारे में बोल रहे थे। इस दौरान मीणा ने पीछे मुड़कर देखा तो कलेक्टर कलाल मोबाइल फोन पर बात कर रहे थे।

इससे नाराज मीणा ने कहा कि हम सरकार की योजनाओं पर बात कर रहे हैं। आप हमारी बात क्यों नहीं सुन रहे हैं। क्या इस सरकार पर ब्यूरोक्रेट इतने हावी हो गए हैं। इस पर कलेक्टर उठकर जाने लगे। मंत्री ने भी कह दिया कि आप यहां से जाइये। इसके बाद कुछ अन्य लोगों ने कॉल किया और कलेक्टर को वापस बुलाया।

कार्यक्रम के बाद में मीणा ने कहा कि कलेक्टर के कामकाज की समीक्षा तो मीटिंग में होगी। हम अच्छा या बुरा तो नहीं जानते, लेकिन कैसा काम किया, ये मीटिंग में पता चलेगा। मैं पहली बार इन कलेक्टर से मिला हूं। अभी तो फोन का इश्यू था, जिस पर उनको कहना पड़ा।

देवगढ़ की घटना मानवता को शर्मसार करने वाली : राठौड़

जयपुर। विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार के राज में राजस्थान जंगलराज का परिचायक बन चुका है। राजसमंद के देवगढ़ में पुजारी दंपती को जिंदा जला देने की घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है। बदमाशों द्वारा घटना को अंजाम देकर फरार हो जाना प्रदेश के लचर कानून व्यवस्था का जीता-जागता प्रमाण है। राठौड़ ने कहा कि बदमाशों के बुलंद हौसलों व प्रशासन की संवेदनहीनता के कारण ही भरतपुर, जयपुर, अजमेर और अब राजसमंद में ऐसी घटनाएं हो रही हैं। अपराधियों का गढ़ बना चुके प्रदेश में ना महिलाएं सुरक्षित हैं, ना व्यापारी और ना ही पुजारी। राठौड़ ने कहा कि आज प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था और पुलिस के खत्म होते इकबाल के कारण ही मरूधरा अशांत प्रदेश में तब्दील होता जा रहा है। कुख्यात गैंगस्टरों की ऐशगाह बन चुके प्रदेश में हर दिन बढ़ती अपराधों की घटनाओं के चलते हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। इन घटनाओं के कारण अपराध के मामलों में प्रदेश एक नया कीर्तिमान रच रहा है, जो हम सबके लिए चिंता का विषय है।

'श्रद्धा हत्याकांड पर सीएम का बयान गैर जिम्मेदाराना'

- **भाजपा प्रदेशाध्क्ष सतीश पूनिया ने कहा कि इतनी वीभत्स घटना को एक सामान्य घटना करार देकर जो तर्क दिए जाएं उसको तर्क नहीं कुतर्क कहा जा सकता है**

जयपुर। दिल्ली के श्रद्धा हत्याकांड मामले को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिए गए बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने जयपुर में मीडिया से बातचीत में कहा कि, मुझे अफसोस हुआ कि तुष्टीकरण की राजनीति की इतनी पराकाष्ठा क्या हो सकती है कि इतनी वीभत्स घटना को एक सामान्य घटना करार दिया जाए और उसके बाद जो तर्क दिए जाएं उसको तर्क नहीं कुतर्क कहा जा सकता है।

क्योंकि यह जो लड़ाई है यह जो घटना है, एक मानसिकता की लड़ाई है, यह विचार की लड़ाई है कि किस तरीके से सुनियोजित षड्यंत्र कर लव जिहाद, लैंड जिहाद, धर्मांतरण और इससे सबसे ज्यादा कोई प्रभावित है तो वह राजस्थान है। पूनिया ने कहा कि यह लड़ाई किसी कम्युनिटी की नहीं है, यह मानसिकता की लड़ाई है, आतंकवाद, अराजकता जैसी घटनाएं और प्रदेश में भीलवाड़ा से लेकर करौली, जोधपुर और उदयपुर तक सीक्वेंस में घटनाएं हुईं हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सूरत में मीडिया से बात करते हुए श्रद्धा केस से जुड़े सवालों पर बीजेपी को निशाने पर लिया था। गहलोत ने कहा कि, ''एक घटना है। घटना दुर्घटना है। ये तो नाम दे दिए गए हैं, जुमले गढ़ दिए गए हैं। आप इसे किसी रूप में ले लीजिए। नई बात नहीं है, सदियों से इंटर कास्ट, इंटर धर्म के नाम पर शादियां होती रही हैं, नई बात नहीं है। आपने (बीजेपी ने) टारगेट बना लिया एक कौम को एक धर्म को, उसके आधार पर आपकी राजनीति चल रही है देश के अंदर।

काम-काज को प्रभावी बनाने का माध्यम भी बने लेखा परीक्षा : राज्यपाल

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने लेखा परीक्षा के कार्य को और बेहतर बनाने एवं इसमें अधिकाधिक पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग पर बल दिया है।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को स्टेच्यू सर्किल स्थित महालेखाकार कार्यालय में लेखापरीक्षा सप्ताह के उद्घाटन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों पर व्यय होने वाले धन की निगरानी का दायित्व नियंत्रक और महालेखा परीक्षक अधिकारियों पर ही होता है। लेखा परीक्षा का उद्देश्य सार्वजनिक धन का प्रभावपूर्ण एवं कुशलता से संग्रहण एवं उपयोग सुनिश्चित करते हुए सुशासन को प्रोत्साहन देना और देश के विकास में अधिकाधिक योगदान देना है। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए महालेखाकार कार्यालय द्वारा लेखापरीक्षा के दौरान सरकार की कमियों को रेखांकित करने के साथ ही काम-काज को और अधिक प्रभावी बनाने एवं गुणवत्ता में सुधार करने हेतु सुझाव भी दिये जाएं।

राज्यपाल ने कहा कि लेखा परीक्षक राजकीय धन के समुचित उपयोग की निगरानी से जुड़े लोकतंत्र के पहरूए हैं।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को स्टेच्यू सर्किल स्थित महालेखाकार कार्यालय में लेखापरीक्षा सप्ताह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव उषा शर्मा और नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया भी मौजूद थे।

रामनगरिया पुलिस ने गैंगस्टर रमजान को अस्पताल से किया गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

- **पंजाब पुलिस के एन्काउंटर में रविवार को घायल हुआ था आरोपी, देर रात ऑपरेशन के बाद सोमवार को उसे एसएमएस अस्पताल से छुट्टी मिली**
- **पंजाब के फरीदकोट में डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की हत्या के बाद जयपुर में किराये पर कमरा लेकर फरारी काट रहा था आरोपी**
- **गैंगस्टर को शरण देने वाले नोहर निवासी छात्र को भी पुलिस ने दबोचा, उसके भाई को बालसुधार गृह भेजा**

जयपुर। राजधानी के रामनगरिया क्षेत्र में पंजाब पुलिस के एन्काउंटर में घायल हुए हरियाणा के गैंगस्टर राज हुड्डा उर्फ रमजान खान को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल से सोमवार को छुट्टी मिल गई। रविवार देर रात डॉक्टर्स ने उसके घुटने का ऑपरेशन करके गोली निकाल दी। सोमवार को रामनगरिया थाना पुलिस ने अस्पताल से आरोपी को गिरफ्तार किया, अब पुलिस उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। इसके बाद आरोपी को जयपुर पुलिस अदालत में पेश किया जायेगा, तत्पश्चात उसे प्रोडक्शन वारंट पर पंजाब पुलिस को सौंपा जायेगा। उधर रामनगरिया थाना पुलिस ने वांटेड राज हुड्डा को शरण देने के मामले में श्रीगंगानगर के नोहर निवासी छात्र हैप्पी को गिरफ्तार कर लिया। जबकि उसके छोटे भाई को निरूद्ध कर बालसुधार गृह भिजवाया है।

डीसीपी करन शर्मा ने बताया कि पंजाब पुलिस का मोस्ट वांटेड गैंगस्टर रमजान खान उर्फ राज हुड्डा जगतपुरा के ज्ञान विहार कॉलोनी में किराए का कमरा ले कर रहा था। पुलिस की ओर से घेरे जाने के बाद उसे आवाज दी गई तो वह पिस्तौल लेकर भागने लगा। खुद को चारों तरफ से घिरा देखकर रमजान खान ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में रमजान खान के घुटने पर गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने उसे धर-दबोचा था। रमजान खान उर्फ राज हुड्डा को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उपचार के बाद सोमवार को उसे छुट्टी दे दी गई।

ट्रोमा सेंटर के नोडल अधिकारी डॉ.अनुराग धाकड़ ने बताया कि गैंगस्टर राज हुड्डा की हालत अब खतरे से बाहर है और पुलिस सुरक्षा के बीच चिकित्सक लगातार नजर बनाए हुए है। गैंगस्टर के पैर में लगी गोली आर-पार निकल गई थी। इसलिए पैर में गोली तो मौजूद नहीं थी लेकिन उसके कुछ पार्ट फंसे हुए थे। जिससे इंफेक्शन का खतरा बना हुआ था। अब जल्द ही गैंगस्टर की हालत देखकर पुलिस को अस्पताल की ओर से रिपोर्ट दी जाएगी। जिसके बाद आगे का फैसला पुलिस की टीम लेगी। अस्पताल प्रशासन ने अपना काम कर दिया है।

गौरतलब है कि पंजाब के फरीदकोट में डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की हत्या के मामले में जयपुर में फरारी काट रहे पंजाब के गैंगस्टर राज हुड्डा उर्फ रमजान की रविवार को रामनगरिया थाना इलाके में पुलिस से मुठभेड हो गई थी। जिसके बाद पुलिस की ओर से हुई फायरिंग में एक गोली बदमाश के पैर में लगी थी। पुलिस ने गैंगस्टर को गिरफ्तार कर पहले निजी अस्पताल में भर्ती करवाया था। जिसके बाद रविवार देर रात उसे एसएमएस अस्पताल में लाया गया। यहां पर चिकित्सकों की टीम ने ऑपरेशन कर इलाज किया।

महिला ने अपने पति और भाई से करवाई थी प्रेमी युवक की हत्या

आरोपियों ने जगतपुरा से युवक का अपहरण करके अधमरी हालत में करौली में फेंका था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के जगतपुरा क्षेत्र से 3 महीने पहले अपहृत युवक की हत्या करके करौली में शव फैंकने की वारदात का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। मृतक प्रेमिका ने ही अपने पति और भाई के साथ प्लानिंग बनाकर इस पूरी वारदात को अंजाम दिया था। जवाहर सर्किल पुलिस ने हत्या के आरोपी महिला छोटी देवी (30) और उसके पति भीम सिंह मीणा को खोहनागोरियान क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। इस वारदात को अंजाम देने वाले शेष बदमाशों की तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है।

डीसीपी करण शर्मा ने बताया कि युवक के मर्डर में आरोपी प्रेमिका छोटी देवी (30) और उसके पति भीम सिंह मीणा (32) निवासी वजीरपुर सवाई माधोपुर को अरेस्ट किया है। सवाई माधोपुर के बजीरपुर निवासी दीपराम मीना (30) ने 28 अगस्त को अपने भाई रामप्रताप उर्फ लाली (19) की हत्या का मामला दर्ज करवाया था। पीड़िता का कहना था कि रामप्रताप सवाई माधोपुर के बजीरपुर में ही रहकर ट्रैक्टर चलता था। ढाणी में रहने वाली भीम सिंह की पत्नी छोटी मीना (32) से उसको प्यार हो गया। गत 6 जुलाई को रामप्रताप ने घर से गहने और नकदी चोरी की और गहनों को बेचकर रामप्रताप और उसकी प्रेमिका छोटी मीना दोनों भागकर जयपुर आ गए। वे दोनों जगतपुरा में किराए से रहकर एक होटल में काम करने लगे।

पुलिस ने बताया कि जयपुर में रहने के दौरान प्रेमिका छोटी देवी ने प्रेमी रामप्रताप की हत्या का प्लान बनाया। प्लानिंग के तहत अपने पति भीम सिंह और भाई पुखराज को जयपुर में रहने का पता बताया। गत 21 अगस्त को छोटी मीना का भाई पुखराज, जगमोहन, रवि, सुरज्ञान और पति भीम ढूंढते हुए जयपुर आ गए। रात करीब 8 बजे कार लेकर पांचों लोग उनके कमरे पर पहुंचे। कार में छोटी देवी के साथ प्रेमी रामप्रताप को भी डाल लिया। आस-पास के लोगों के पूछने पर बोले कि दोनों भागकर आए थे और उन्हें अपने साथ घर ले जा रहे है।

पुलिस के मुताबिक प्रेमिका छोटी देवी के परिजनों ने रामप्रताप के साथ जमकर मारपीट की। गत 22 अगस्त को अधमरी हालत में रामप्रताप को करौली के टोडाभीम में फेंक दिया। दोपहर करीब 2 बजे परिजनों को करौली हॉस्पिटल से रामप्रताप के गंभीर हालत में होने का पता चला। जहां इलाज के दौरान कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई थी। परिजनों ने रामप्रताप का शव लिया तो उसके शरीर पर जगह-जगह मारपीट के निशान मिले। पुलिस ने अगले दिन पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

रामप्रताप की मौत के बाद उसके भाई व अन्य परिजनों ने जयपुर-करौली के कई चक्कर लगाए। भाई के रहने वाले जगह के पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगाला। तब छोटी देवी के परिजन उसके भाई को जबरन किडनैप कर कार में डालकर ले जाते दिखाई दिए। इसके बाद आरोपी अगले दिन छोटी देवी के साथ दुबारा कमरे पर आए औश्र सारा सामान कार की डिग्गी में रखकर कमरा खाली कर दिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर परिजनों को पता चला कि रामप्रताप का अपहरण छोटीदेवी के परिजनों ने किया था। किडनैप कर उसके साथ मारपीट कर अधमरी हालत में करौली में फैंका गया था, जिससे उसकी मौत हो गई।

जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने युवक की हत्या के आरोप में प्रेमिका छोटी देवी और उसके पति भीम सिंह को गिरफ्तार किया।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में डूबे तीसरे युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ा

जयपुर (कासं)। गजाधरपुरा स्थित जेडीए के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में चार दिन पूर्व वॉल्व टूटने से चैंबर में डूबे जिस युवक को पुलिस ने जिंदा निकाला था, आखिरकार सोमवार को उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। अब तक इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

पुलिस ने बताया कि ट्रीटमेंट प्लांट में गत 18 नवंबर को कालवाड़ निवासी युवक सन्नी मीणा व रामकुई पचार निवासी विनोद रैगर की चैंबर में डूबने से मौत हो गई थी। इन दोनों को बचाने के लिए रवि कुमार मीणा भी सीवर चैंबर में उतरा था। वह भी फंस गया था, जिसे पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों व सिविल डिफेंस टीम की मदद से रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया था। रवि का हाथोज के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। रविवार को उसे शहर के एक अन्य निजी अस्पताल में रैफर किया था। जहां कालवाड़ तिराहा बस स्टैंड मीणा मौहल्ला निवासी रवि की सोमवार को मौत हो गई।

उधर रवि मीणा की मौत के बाद उसके परिजनों के साथ बड़ी संख्या में लोग एसटीपी पर एकत्र हो गए और पर्याप्त मुआवजा व मृतक की पत्नी को नौकरी दिलवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। मौजूद अधिकारियों ने धरने पर बैठे मृतक के परिजनों व अन्य लोगों से वार्ता की। बताया जा रहा है कि रवि के उपचार के दौरान अस्पताल के बिल का भुगतान ठेकेदार की ओर से किया जाएगा। तीनों मृतकों के परिजनों को 20-20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता मिलेगी। मृतकों के आश्रितों को जेडीए में संविदा पर नौकरी मिलेगी। जानकारी के मुताबिक मीणा मौहल्ला में एसटीपी हादसे बीते चार दिन में यह दूसरी मौत थी।

कमलेश बने भामाशाह

बामनवास । ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को स्थानीय बिछोछ गांव के रहने वाले कमलेश मीणा द्वारा खुद की सरकारी सेवा के 25 वर्षों पूर्व पूर्ण होने के चलते सार्वजनिक लाइब्रेरी की निशुल्क स्थापना कर छात्र-छात्राओं को लाभान्वित करने का एक अनोखा कदम उठाया गया है ।

25 वर्ष सरकारी नोकरी होने पर अपने गांव में लाइब्रेरी खोलने की घोषणा। भारतीय रेलवे सेवा में कमलेश मीना बिछौछ के 25 वर्ष होने पर गांव में सवा लाख रूपए लागत लगाकर सार्वजनिक लाइब्रेरी खोलने की शुरुआत की है । यह लाइब्रेरी सभी समाजों के छात्रों के लिए निशुल्क रहेगी। साथ में आपने वेतन का दस प्रतिशत हिस्सा सर्वसमाज के सामाजिक, शिक्षा और गरीब लोगो की सहायता के देने की घोषणा की है।

गौरतलब है कि रेलवे विभाग में सरकारी नौकरी करने वाले कमलेश मीणा लगातार समाज सुधार के लिए प्रयास करते आ रहे हैं । इनके द्वारा छुआछूत एवं अस्पृश्यता सहित विभिन्न सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए सामाजिक स्तर पर बैठकों का आयोजन कर सकारात्मक प्रयास किए जाते रहे ।

राज्यपाल आगमन की तैयारियों को मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने अंतिम रुप दिया

भरतपुर (निस)। पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ महामहिम राज्यपाल कलराज मिश्र की कुम्हेर स्थित महाराजा सूरजमल बृज विश्विद्यालय में 26 नवम्बर को विभिन्न कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रमों के सम्बन्ध में रूपरेखा तैयारी को अंतिम रूप देने हेतु निरीक्षण किया।

पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने महाराजा सूरजमल बृज विश्विद्यालय परिसर पहुँचकर अधिकारियों से तैयारियों का जायजा लेकर आवश्यक दिषा-निर्देश दिये। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को कुम्हेर-हेलक सड़क को आयोजन स्थल तक मरम्मत कर ठीक करने के निर्देश दिये। उन्होंने संविधान पार्क, हेलीपेड स्थल, सभा स्थल का निरीक्षण कर सम्पूर्ण व्यवस्थाऐं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव, जिला कलक्टर आलोक रंजन, जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह ने की जा रही तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था की बारीकियों का जायजा लिया तथा विश्वविद्यालय के अधिकारियों को तैयारियों संबंधी दिशा-निर्देश दिये। पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव एवं जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह ने हेलीपैड, संविधान पार्क, सभा स्थल की सुरक्षा की विशेष व्यवस्था एवं मीडियाकर्मियों के सुरक्षा पास जारी करने हेतु सूचना जनसम्पर्क अधिकारी को सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

संभागीय आयुक्त एवं जिला कलक्टर ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को आयोजन स्थल पर एम्बूलेंस मय चिकित्सक दल एवं जीवनरक्षक दवाओं सहित, नगर निगम आयुक्त को दो अग्निशमन वाहन एवं सचल टायलेट, जिला रसद अधिकारी को खाद्य सामग्री जॉच हेतु खाद्य सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करने एवं आरएसआरडीसी को आयोजन संबंधी दिये गये निर्देशों की पालना सुनिष्चित करने के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रषासन एवं नगर विकास न्यास के सचिव कमलराम मीना, अतिरिक्त जिला कलक्टर षहर सुभाश गोयल, उपखण्ड अधिकारी कुम्हेर वर्शा मीना, डीग हेमन्त कुमार, नगर निगम आयुक्त अखिलेश पिप्पल, महाराजा ब्रज विश्वविद्यालय के कुलसचिव आरके सिंह धाकरे, रजिस्ट्रार सुभाश वर्मा, उप कुलपति अरूण कुमार पाण्डेय सहित आरएसआरडीसी के अधिषाशी अभियंता नरेन्द्र सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री विवेन्द्र सिंह (बाएं से पहले) ने भतरपुर में राज्यपाल के आगमन की तैयारियों को देखा।

सार-समाचार

मन्दिर परिसर में पौधारोपण किया

करौली (नि.स.) सोमवार को प्रदोश तिथि के पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ के रूप मे भैरों बाबा मंदिर नहारगढ में मंदिर के पुजारी विश्राम भगत के सानिध्य में आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. रमण स्वरूप लवानिया ने औषधि उपयोगी मीठा नीम और कटहल के पौधे लगाए गए जिसमें बुजुर्ग समाज सेवी भंगा पटेल,समाज सेवी बल्लू सिंह राजपूत ने पौधों की खरपतवार की साफ सफाई की । भैरों जी मंदिर के महंत विश्राम भगत पर्यावरण प्रेमी हैं और सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करते हैं इस अवसर पर आयुर्वेद चिकित्सक ने कहा कि बहु उपयोगी पौधे लगाने चाहिए जो औषधि उपयोगी हो पशु पक्षियों के लिए भोजन के साथ छायादार पेड़ हो।

जर्सीयां प्रदान की

भरतपुर (निस)। स्वास्थ्य मंदिर के खिलता बचपन सवरता जीवन प्रकल्प के 53 बच्चों को भामाशाह निशा जांगिड और जयपुर की करिश्मा कुमारी के सहयोग से रणजीत नगर पार्षद ओमवीर सिंह एवं यू गेम प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिगंबर सिंह ने जर्सीया प्रदान की। इस अवसर पर प्रकल्प संयोजिका आंचल शर्मा ने कहा कि सर्दी का मौसम शुरू हो गया है। इन बच्चों को जर्सी, कंबल, टोपी और ईनर की जरूरत है जो कि भामाशाह के सहयोग से पूर्ति की जा रही है अभी 70 परिवारों को सर्दी से बचने के लिए रजाईयों की जरूरत है। कार्यक्रम में गिरीश शर्मा, पुष्पा सिंह आदि ने सहयोग प्रदान किया।

नर्सिंग कॉलेज का शिलान्यास आज

करौली (नि.स.)। करौली मे राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय का शिलान्यास मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से आज मंगलवार को किया जायेगा। इस संबंध मे जिला स्तर पर वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम सूचना केन्द्र के टाउन हॉल मे दोपहर 1 बजे आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधी एवं अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

विधायक ने की जनसुनवाई

रूपवास । कस्बे की पंचायत समिति सभागार में विधायक अमरसिंह जाटव ने जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं को सुना।

मौके पर मौजूद अधिकारियों से तुरंत ही समस्याओं का निराकरण कर सरकार की योजनाओं से लोगों को अवगत कराने की बात कही। विधायक अमरसिंह जाटव को सलीम नामक युवक ने लिखित में सरकारी अस्पताल के प्रभारी डॉ विक्रम आंनद के खिलाफ एक पत्र सौपा। जिसमे आरोप लगाया है कि मेरी पत्नी साहिरा की 19 नवम्बर को डिलेवरी हुई थी। तो जच्चा बच्चा वार्ड में बेड पर लेटी हुई थी।

इसी दौरान डॉ विक्रम आनंद शराब के नशे में बोतल को लेकर वार्ड में आया तथा आते ही गाली गलौज कर प्रसूता को धक्का देकर बाहर निकाल दिया। चिकित्सक ने कहा कि जब पैसे नही होते हैं। तो बच्चे क्यो पैदा करते हो। इस पर प्रसूता ने कहा कि हम तो गरीब आदमी है। लेकिन चिकित्सक ने गाली गलौज जारी रखते हुए वार्ड से बाहर निकाल दिया। इस पर विधायक ने बीसीएमओ को मामले की जांच करने व दोषियों के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिये।

पीड़ित की सहायता के लिए आगे आया विभाग

वैर । गत दिवस नगरपालिका वैर के चेयरमैन विष्णु महावर व न्याय एवं अधिकारिता विभाग वैर के छात्रावास अधीक्षक राजवीर सिंह, पार्षद प्रतिनिधि मोहर सिंह जेईन मृतक बच्चू सिंह सैनी के घर पहुंचे तथा मृतक की पत्नी पीड़िता संगीता सैनी वार्ड नं 15 निवासी बयाना गेट वैर व उसके परिवार का हाल जाना ।

राजवीर सिंह अधीक्षक छात्रावास सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने बताया कि अब विधवा को विभाग से 500 रुपए विधवा पेंशन और उसकी तीन वालिकाओ को 3000 रुपए प्रतिमाह पालनहार योजना में आर्थिक लाभ दे दिया जायेगा जिससे विधवा की आर्थिक तंगी दूर हो जाएगी और पालनहार योजना में 3000 रुपए मिलने से बालिका आसानी से अपनी शिक्षा जारी रख सकेगी जिसके लिए पीड़िता संगीता सैनी ने विभाग का आभार जताया है ।

उल्लेखनीय है कि 26 अक्टूबर 2022 को बच्चू सिंह सैनी की फिरोजाबाद में एक्सीडेंट से मृत्यु हो गई थी । मृतक के परिवार में पत्नी संगीता सैनी, कक्षा 8 में अध्ययनरत पुत्री ज्योति , कक्षा 6 में अध्ययनरत पुत्री आरती, कक्षा चार में अध्ययनरत पुत्री पायल हैं । इस घटना से पूरा परिवार बेसहारा हो गया ।

मृतक की पत्नी संगीता गर्भवती है और परिवार के कमाने वाले की मृत्यु हो जाने से परिवार आर्थिक संकट में आ गया जिस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने तात्कालिक रूप से 5100 रुपए की मदद भी की थी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधीक्षक राजवीर सिंह के मामला संज्ञान में आते ही तुरंत पीड़िता के घर पहुंचे और मामले की जांच की, जांच में पाया की विधवा के तीन छोटे छोटे बच्चे है और स्कूल में पढ रहे है उम्र 18 साल से कम है इसलिए तीनों बालिकाओं को 1000 रुपए प्रति माह पालनहार योजना का लाभ दिया जा सकेगा और संगीता सैनी को 500 रुपए प्रतिमाह पेंशन भी दी जा सकेगी मौके पर नगरपालिका चेयरमैन विष्णु महावार पीड़िता के घर पहुंचे जिन्होंने बताया की बेवा को सरकार की अन्य योजनाओं से लाभ दिलवाने का भी प्रयास किया जाएगा ।

भाजपा कार्यसमिति की बैठक हुई

भरतपुर (निस)। भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक का आयोजन भाजपा के प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ. शैलेश सिंह ने की।

भाजपा जिला कार्यसमिति का शुभारंभ सुबह 11:15 बजे किया गया, जिसमें उदघाटन सत्र से लेकर समापन सत्र तक विभिन्न संगठनात्मक व राज्य तथा जिले के विषयों पर उदबोधन हुए। कार्यसमिति का शुभारंभ भारत माता, श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यसमिति में राज्य सरकार की विफलता एवम जन आक्रोश यात्रा पीपीटी विषय पर प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा तथा अध्यक्षीय उदबोधन एवम राजनीतिक प्रस्ताव जिला अध्यक्ष डॉ शैलेश सिंह ने रखा जिसका अनुमोदन प्रदेशमंत्री महेंद्र सिंह जाटव एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शिवानी दायमा ने किया और सभी कार्यसमिति सदस्यों ने हाथ उठाकर सर्वसम्मति से राजनीतिक प्रस्ताव का समर्थन किया।

ज्योतिष रत्न महोत्सव में पं. ताराचंद शास्त्री सम्मानित

सवाई माधोपुर पंण्डित ताराचंद शास्त्री (बाएं से तीसरे) को समारोह में सम्मानित किया गया।

सवाई माधोपुर। जयपुर के बिरला सभागार में रविवार को ज्योतिष रत्न महोत्सव का आयोजन हुआ।

इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया। इस आयोजन में ज्योतिष कर्मकांड क्षेत्र में विशेष पहचान रखने वाले सवाई माधोपुर निवासी आचार्य पंडित ताराचंद शास्त्री को सम्मानित किया गया। ज्योतिष रतन सम्मेलन में देश विदेश के पधारे 1500 विद्वानों ने भाग लिया। अखिल भारतीय ज्योतिष संस्था संघ फ्यूचर पॉइंट के संयोजक डॉक्टर अरुण बंसल, पंडित जयंत पांडे आशीष लोहिया के द्वारा ज्योतिष क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले ज्योतिष के विद्वानों को सम्मानित किया गया।

■ ज्योतिष कर्मकांड क्षेत्र में विशेष पहचान रखते है पं. ताराचंद शास्त्री

सड़क दुर्घटना में 2 जने घायल

हिण्डौन सिटी । फुलवाड़ा के पास एक मारुति वैन ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी । जिससे मोटरसाइकिल सवार 4 जनों सहित कुल 8 जने घायल हो गए। इनमें से मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई । वही एक युवती को गंभीर हालत में जयपुर रैफर कर दिया गया। इधर दुर्घटना में घायल 6 जनों का शहर के जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। शहर के जिला अस्पताल से प्राप्त जानकारी भरतपुर जिले के रूपबास कस्बा निवासी एक ही परिवार के कुछ लोग गंगापुर अपनी रिस्तेदारी में हुई एक मौत पर मौताने में से शामिल होकर रिश्तेदारी से लौट रहे थे । इसी दौरान रास्ते में समीप गांव फुलवाढ़ा के पास मारुति वैन के चालक ने सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी । जानकारी के अनुसार समीप गांव खेड़ा जमालपुर निवासी राजकुमार पुत्र भंवर सिंह जाति माली की पत्नी को जिला अस्पताल में प्रसव हुआ था। जिसके बाद वह अपनी चाची मोहरबाई, चचेरी बहन अनीता व 6 वर्षीय एक बालक को मोटरसाइकिल पर बैठा कर हिंडौन से गांव लौट रहा था। मारुति वैन की टक्कर से मोटरसाइकिल पर सवार चारों जने गंभीर रूप से घायल हो गए ।

शिव महापुराण कथा का वाचन

भरतपुर (निस)। न्यू आदर्श कॉलोनी चांदपोल गेट भरतपुर में हनुमान मंदिर पर आयोजित शिव महापुराण कथा के 11वीं दिवस पर व्यास गद्दी से भागवत आचार्य विष्णु दत्त गौड़ वृंदावन धाम ने शिवपुराण के अनेक अछूते प्रसंगों का वर्णन किया। इस संबंध में कार्यक्रम संयोजक लोकेश पार्षद द्वारा बताया गया कि मनुष्य दुख और सुख कैसे प्राप्त करता है इसके बारे में बताया कि मनुष्य के कर्म के आधार पर ही दुख एवं सुख मिलता है।

बच्चों को माता-पिता ही संस्कार देते हैं। दोयस राक्षस के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए आचार्य द्वारा इंद्र भगवान से उनके युद्ध का वर्णन किया। आचार्य द्वारा सिद्ध साधक यानि गुरु और शिष्य के बारे में विस्तार से श्रद्धालुओं को जानकारी दी। परीक्षित और पांडवों के रिश्ते के बारे में तथा नारद जी एवं लक्ष्मी जी की वार्तालाप से कोपभवन में जाने की जानकारी दी गई। दुर्योधन और अश्वत्थामा के बीच में हुए वृतांत को बताया।

जल जीवन मिशन की बैठक सम्पन्न

करौली (नि.स.) जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने सोमवार को जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने के संबंध मे बैठक की अध्यक्षता करते हुए नाराजगी व्यक्त की कि जिले मे जल जीवन मिशन की प्रगति बहुत कम है और अधिकारियो द्वारा मॉनिटरिंग नही करना भी इसका एक कारण है।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी योजना की प्रगति के लिये नियमित मॉनिटरिंग करें उन्होने यह भी निर्देश दिये कि पानी के स्त्रोत जिनका कार्य पूरा हो गया है फिजिकल वेरिफिकेशन जहां जहा टंकी बनकर पूर्ण हो गई है और जहां हर घर मे नल के माध्यम से पानी पहुंचने लगा है उनकी जियोटेगिंग कर एक सप्ताह मे अपलोड करने एवं स्वीकृत कार्यो के एग्रीमेन्ट साईन सहित अपलोड करने के निर्देश भी दिये।

जिला कलेक्टर ने इंम्लीमेंट सपोर्टिंग ऐजेन्सी द्वारा कार्य मे ढिलाई पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिये कि लोगो से संपर्क करें और निर्धारित राशि जमा कराकर लोगो को जल उपलब्ध करायें।

उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक करने के साथ ही उन्हे प्रशिक्षित करना भी अतिआवश्यक है तभी उपलब्धि होगी लेकिन इंम्लीमेन्ट सपोर्टिंग ऐजेन्सी द्वारा कार्य नही किया जा रहा है यह गंभीर बात है अगली बैठक मे प्रगति के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिये अन्यथा ऐजेन्सी के अधिकारियों के विरूद्ध उच्च अधिकारियों को लिखा जायेगा।

जिला कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के तहत पानी की शुद्धता की जांच एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के संबंध मे ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम नवम्बर तक तय एवं सूचीबद्ध कर 1 दिसम्बर से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करें साथ ही विद्यालयों मे बच्चों की प्रतियोगिताऐं,गांवों मे रैली एवं नुक्कड नाटक आदि के माध्यम से लोगो को जलजीवन मिशन की योजना के बारे मे जागरूक करें।बैठक मे अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश कुंमार मीना,जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंत परशराम वर्मा,अधिशाषी अभियंता अरूण कुमार एवं सहायक अभियंता,कनिष्ठ अभियंता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जलजीवन मिशन की प्रगति के बारे मे प्रोजेक्टर के माध्यम से डीपीएमयू अंकित कास्था ने विस्तार से जानकारी दी।

■ 'सभी अधिकारी योजना की प्रगति के लिये नियमित मॉनिटरिंग करें'

चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

भरतपुर (निस)। सोमवार को महिला अधिकारिता विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय संभागस्तरीय अमृता हाट में 13 से 18 आयुवर्ग की बालिकाओं की रंगोली, मेहदी एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बालिकाओं ने बढचढ कर भाग लिया।

प्रतियोगिता का विशय बेटी बचाओ बेटी पढाओ रखा गया। जिसके अंतर्गत बालिकाओं ने चित्र, रंगोली बनाकर एवं मेहन्दी लगा कर बेटी बचाओ बेटी पढाओ का संदेष दिया। प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न स्कूलों के साथ साथ व्यक्तिगत प्रतिभागियों ने भी भाग लिया।

महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेषक राजेष कुमार ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता में 22 प्रतिभागियों, मेहन्दी में 13 प्रतिभागियों ने एवं चित्रकला में 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें चित्रकला, रंगोली एवं मेहन्दी का सामान विभाग की ओर से दिया गया।

बुजुर्ग पर हमला किया

हिंडौन सिटी । समीप के गांव कुतकपुर में सोमवार को एक खेत पर फसल तहस-नहस करने की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल को देखकर घर लौट रहे बुजुर्ग पर अज्ञात लोगों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इधर, बदमाश मौके से फरार हो गए। वारदात के बाद परिजन घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद घायल को भर्ती कर लिया गया। वार्ड में भर्ती घायल कुतकपुर निवासी कमरुद्दीन खान (60) पुत्र गफूर ने बताया कि बीती रात अज्ञात लोगों ने उसके खेत में फसल को तहस-नहस कर दिया व मेडबंदी भी तोड़ दी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद वह सोमवार को सुबह खेत पर पहुंचे। खेत में फसल का नुकसान होने पर उन्होंने आसपास के लोगों से पूछताछ की। उक्त घटना में लिप्त बदमाशों के नाम मालूम होने के बाद वह उनसे शिकायत करने जा रहे थे। तभी रास्ते में मौजूद दूसरे पक्ष के लोगों ने एकराय होकर बुजुर्ग पर लाठी, डंडा व धारदार हथियारों से हमला कर घायल कर दिया। जिसके बाद मौके से बदमाश फरार हो गए। घटना की सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंचे और घायल को निजी साधन से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।

चोरी के सामान को बरामद करने की मांग

करौली (नि.स.)। तुलसीपुरा ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेशकर गत दिनों विद्यालय परिसर में हुई चोरी के माल की बरामदगी को लेकर ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीण दया राम, जगरूप सिंह, दारा सिंह, राम निवास, भीम सिंह, प्रताप, धर्म सिंह, समय सिंह सहित कई ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर बताया कि गत 31 अक्टूबर की रात्रि को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तुलसीपुरा में चोरी हो गई जिसकी प्राथमिकी करौली सदर थाने में संस्था प्रधान द्वारा 1 नवंबर को दर्ज करा दी गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद ग्रामीण जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर चोरी हुए सामान की बरामदगी की मांग कर चुके हैं परंतु चोरी हुए 20 दिन निकल गए पुलिस द्वारा आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई जिससे ग्रामीणों में जबरदस्त रोष व्याप्त है इसी संबंध में गत 19 नवंबर को पुन: ग्रामीण एकत्रित हुए जिसमें सभी ने जिला कलेक्टर से चोरी हुए सामान की बरामदगी के लिए पुन: ज्ञापन देने का निर्णय लिया ।

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

भरतपुर (निस)। राष्ट्रीय जाट महासभा का स्थापना दिवस उत्तरप्रदेश के मेरठ मे आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय जाट महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा लोकपाल सिंह ने की। कार्यक्रम मे मुख्य अथिति मोदीनगर विधायक मंजू सिंह और अंतर्राष्ट्रीय किर्केट प्रवीण कुमार और उत्तरप्रदेश के पूर्व कमिश्नर एससी वर्मा रहे। सर्वप्रथम कार्यक्रम मे महाराजा सूरजमल, महाराजा खेमकरण सोगरिया और वीर तेजाजी के चित्र पर दीपक जलाकर कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई। कार्यक्रम मे राष्ट्रीय जाट महासभा की उत्तरप्रदेश इकाई ने राष्ट्रीय जाट महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ लोकपाल सिंह और मुख्यअथितियों को 51 किलो फूलो की माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम मे उत्तरप्रदेश राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष समरपाल सिंह ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी। कार्यक्रम मे लगभग 30 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय जाट महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा लोकपाल सिंह ने मंच के माध्यम से उत्तरप्रदेश सरकार से महाराजा सूरजमल कल्याण विकास बोर्ड के गठन की मांग की ।

3 राज्यों का कुख्यात इनामी बदमाश गिरफ्तार

धौलपुर (निस)। धौलपुर जिले की सदर थाना बाड़ी एवं बसईडांग थाना थाना पुलिस और डीएसटी टीम की रविवार रात्रि को डांग क्षेत्र में डकैतों से मुठभेड हो गई। जिसमें पुलिस ने ईनामी बदमाश रामगोपाल उर्फ भोटा गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार बदमाश रामगोपाल 3 राज्यों से वांछित अपराधी है। जिस पर 14 हजार रुपये का इनाम घोषित था। मुठभेड़ के दौरान बदमाश के अन्य साथी मौके से भाग निकले, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस ने इनामी बदमाश की सूचना अन्य राज्यों की पुलिस को भी दे दी है। धौलपुर एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर देर रात्रि को बसई डांग थाना क्षेत्र के चिलीपुरा गांव के पास से आरोपी रामगोपाल उर्फ भोटा गुर्जर पुत्र सुन्दर सिंह उम्र 25 साल निवासी चिलीपुरा कस्बा नगर थाना बसईडांग जिला धौलपुर को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया है। जिस पर कुल 14 हजार रुपये का ईनाम घोषित है। जिसमें धौलपुर एसपी की ओर से 5 हजार, करौली एसपी की तरफ से 2 हजार, यूपी के आगरा एसपी की तरफ से 5000 और एमपी के मुरैना एसपी की तरफ से 2 हजार रुपए का ईनाम घोषित है। आरोपी भोटा लूट, डकैती, नकबजनी, चोरी, हत्या जैसे संगीन मामलों में वांछित था। जिसकी तीन राज्यों की पुलिस को तलाश थी। भोलापुरा से किया पुलिस ने पीछा, चिलीपुरा में जाकर दबोचा। बाड़ी सीओ मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सदर थाना प्रभारी हीरालाल, बसई डांग थाना प्रभारी मोहन सिंह के साथ डीएसटी टीम लगातार आरोपी का पीछा करते हुए रविवार की रात्रि को डांग के भोलापुरा पहुची।

■ धौलपुर एसपी की ओर से 5 हजार, करौली एसपी की तरफ से 2 हजार, आगरा एसपी की तरफ से 5000 और मुरैना एसपी की तरफ से 2 हजार रुपए का ईनाम घोषित है

हत्या के आरोप में पत्नी व प्रेमी गिरफ्तार

भरतपुर (निस) चिकसाना थाना पुलिस ने 6 महीने से लापता युवक के मामले का खुलासा करते हुए लापता व्यक्ति की हत्या के मामले में उसकी पत्नी व पत्नी के प्रेमी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक ष्याम सिंह ने सोमवार को बताया कि 4 जून को थाना चिकसाना पर हरप्रसाद द्वारा अपने पुत्र पवन उम्र 37 साल निवासी नौंह को 29 मई 2022 की रात्रि को रहस्यमयी तरीके से गायब होने पर पर पुत्र की तलाश वाबत गुमषूदगी दर्ज कराई थी। जिसके बाद आज से करीब 1 माह पूर्व अपनी पुत्रवधू रीमा व पडौस के एक युवक भागेन्द्र उर्फ भोला को आपतिजनक स्थिति में रात्रि के समय घर पर रंगे हाथों पकडे जाने पर तथा अन्य परिस्थितिजन्य कारणों से परिवादी हरप्रसाद का अपने पुत्र पवन की हत्या होने का सन्देह गहरा गया। जिस वाबत 20 नवम्बर को हरप्रसाद ने पुत्रवधू रीमा व प्रेमी भागेन्द्र उर्फ भोला के विरूद्ध अपने पुत्र की हत्या वाबत् थाना चिकसाना पर प्रकरण दर्ज कराया था। जिस पर जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर व सहायक पुलिस अधीक्षक बृजेष ज्योति उपाध्याय आईपीएस के निर्देषन में कार्यवाही करते हुये आरोपित पुत्रवधू रिमा व उसके प्रेमी भागेन्द्र को पकड़ा।

नेत्र चिकित्सा शिविर में 104 जनो के हुए ऑपरेशन

शिविर में नेत्र जांच कराने के आए मरीजों को फल वितरण किए।

गंगापुर सिटी 21 नवम्बर। लायंस क्लब गंगापुर सिटी गरिमा द्वारा जयपुर रोड स्थित सीपी हॉस्पिटल में 73वां निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन मनीष सागवान ने बताया कि श्री श्याम पैरामेडिकल संस्थान दौसा की टीम द्वारा 145 नेत्ररोगियों की आँखों की जांच की गई जिनमें से 104 नेत्ररोगियों को मोतियाबिंद रोग से ग्रसित होने पर निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण हेतु चयनित किया गया। चयनित सभी 104 नेत्र रोगियों की आवश्यक जाँच की जाकर विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सक द्वारा सीपी हॉस्पिटल के नेत्र रोग विभाग स्थित ऑपरेशन थियेटर में सफल आईओएल ऑपरेशन किया गया। नेत्र चिकित्सा शिविर के समन्वयक लायन मुकेश राजाराम मीना ने बताया कि ऑपरेशन के उपरान्त सभी 104 लाभार्थियों को अगले दिन आँखों की पट्टी हटाकर निशुल्क चश्मा एवं दवाइयां वितरित की गई तथा ऑपरेशन के उपरान्त रखी जाने वाली विशेष सावधानियों से भी अवगत करवाया गया। क्लब सचिव लायन सचिन बंसल ने बताया कि लायंस क्लब गरिमा द्वारा विगत चार वर्षों से मोतियाबिंद मुक्त गंगापुर का संकल्प लेकर साप्ताहिक तौर पर प्रत्येक शनिवार निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन करवाया जा रहा है। गत शनिवार तक क्लब द्वारा 73 निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किये जा चुके हैं जिनमे अब तक 8235 नेत्ररोगियों की आँखों का परिक्षण किया ।

फर्जी पट्टा मामले में व्यापारी लामबंद

गंगापुर सिटी । नगर परिषद के द्वारा जारी किए गए फर्जी पट्टा प्रकरण का मामला तूल पकडता जा रहा है। सोमवार को व्यापार मण्डल के व्यापारी अध्यक्ष गिरधारी धौलेटा व प्रहलाद मेठी के नेतृत्व में ज्ञापन सौप कर कडी कार्रवाही की मांग की। नगर परिषद की ओर से पुरानी अनाज मंडी में जारी किए गए फर्जी पट्टे के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर व्यापारी लामबंद हो गए। व्यापारियों ने इस बारे में सोमवार को एडीएम और एसडीएम को ज्ञापन देकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। दोपहर में बडी संख्या में व्यापारी मिनी सचिवालय पहुंचे और एडीएम नवरत्न कोली और एसडीएम नरेंद्र कुमार मीणा को ज्ञापन देकर फर्जी पट्टा प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। व्यापारियों ने बताया कि पुरानी अनाज मंडी में मनोहर लाल अग्रवाल पुत्र श्यामदास की दुकान और मकान है और उसका ही स्वामित्व है। दुकान व मकान को उन्होंने चांदमल जैन को उनकी फर्म जगदीश प्रसाद नेमीचंद जैन ट्रेडिंग कंपनी के नाम से किराए पर दे रखी है, लेकिन चांदमल जैन और मंजू जैन ने कूटरचित दस्तावेजों से खुद के नाम पट्टा बनवा लिया।

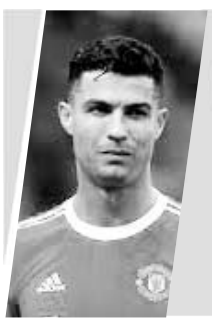

मुझे यह सोचने की जरुरत नहीं है कि लोग क्य सोचते हैं। वह वहीं बोलता हूँ जो मैं चाहता हूं। खिलाड़ी मुझे कई सालों से अच्छी तरह से जानते हैं कि मैं किस तरह का इंसान हूं।

- क्रिस्थियानो रोनाल्डो

पुर्तगाल के स्टार फुटबालर, अपने व्यवहार को लेकर

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

केन विलियम्सन

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन डॉक्टर के साथ पूर्व नियोजित भेंट के कारण भारत के खिलाफ को होने वाले तीसरे टी20 मैच में हिस्सा नहीं लेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनज़ेडसी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। एनज़ेडसी ने बताया कि उनकी गैर-मौजूदगी में टिम साउदी न्यूजीलैंड की कमान संभालेंगे, जबकि मार्क चैपमेन को भी टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड के कोच ने कहा, केन कुछ समय से डॉक्टर से मिलने की योजना बना रहे थे, लेकिन दुर्भाग्य से हमारे कार्यक्रम के कारण वह ऐसा नहीं कर पा रहे थे। "हमारे खिलाडियों और स्टाफ का स्वास्थ्य हमारे लिये सबसे ऊपर हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत को 1950 (ब्राजील) के विश्वकप फुटबॉल में फीफा ने इसलिए खेलने से रोक दिया क्योंकि वह नंगे पैर यहां खेलना चाहता था।

नीदरलैंड ने की जीत से शुरुआत, सेनेगल को 2-0 से हराया, जैक्पो और क्लासेन ने किए गोल

दोहा, 21 नवम्बर। फीफा वर्ल्ड कप 2022 के चौथे मुकाबले मेंसेनेगल का सामना नीदरलैंड से हुआ। अल थुमामा स्टेडियम में हुए मुकाबले में नीदरलैंड ने सेनेगल को 2-0 से पराजित किया। नीदरलैंड की जीत के हीरो फॉर्वर्ड कोडी गेक्पो और डेवी क्लासेनरहे. दोनों ने मैच में नीदरलैंड के लिएएक-एक गोल दागा। पहले हाफ में दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर पाईं. हालांकि सेनेगल को गोल करने के लिए इस हाफ में डच टीम की तुलना में कई मौके मिले। इस दौरान सेनेगल के एक-दो शॉट टारेगट पर रहे लेकिन गोलकीपर ने शानदार बचाव करते हुए सेनेगल को निराश कर दिया। नीदरलैंड ने भी गोलपोस्ट की ओर काफी शॉट लगाए लेकिन उसका एक भी शॉट टारगेट पर नहीं रहा। यानी कि पहला हाफ 0-0 से बराबर रहा था। दूसरे हाफ में भी शुरुआती 33 मिनट तक दोनों टीमें गोल नहीं कर पाई थीं। तब ऐसा लग रहा था कि मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर छूट सकता है। लेकिन कोडी गेक्पो के इरादे कुछ और थे। नतीजतन मैच के 84वें मिनट में कोडी गेक्पो ने गोल कर दिया। उन्होंने फ्रैंकी डी जॉन्ग के एक बेहतरीन क्रॉस पर हेडर के जरिए गोल दागा। इस झटके से सेनेगल की टीम उबर नहीं पाई। इंजरी टाइम के आखिरी मिनटमें डेवी क्लासेन ने शानदार गोल करके सेनेगल की हार का अंतर थोड़ा बडा कर दिया।

इंग्लैंड ने ईरान को 6-2 से रौंदा

दोहा, 21 नवंबर (वार्ता)। इंग्लैंड ने सोमवार को फीफा विश्व कप 2022 के ग्रुप-बी मुकाबले में ईरान को 6-2 से रौंदकर अपने अभियान की ज़ोरदार शुरुआत की। विजेता टीम के लिये जूड बेलिंघम (35वां मिनट), बुकायो साका (43वां, 62वां मिनट), रहीम स्टर्लिंग (45 प्लस एक मिनट), मारकस रैशफोर्ड (71वां मिनट) और जैक ग्रीलिश (89वां मिनट) ने गोल किये।

ईरान के लिये मेहदी तरेमी ने 65वें मिनट में पहला गोल किया, जबकि अतिरिक्त समय के 13वें मिनट में उन्होंने पेनल्टी को गोल में तब्दील किया। दोनों टीमों ने मुस्तैदी ने मैच की शुरुआत की, लेकिन अपना दूसरा विश्व कप तलाश रही इंग्लैंड ने आगे चलते हुए मुकाबले में अपनी पकड़ बना ली। पहले हाफ में बेलिंघम, साका और स्टर्लिंग के गोलों ने ईरान के हौसलों को पस्त कर दिया। तरेमी ने ईरान के लिये दूसरे हाफ में दो गोल किये, लेकिन यह केवल हार के अंतर को ही कम कर सके। इंग्लैंड इस जीत के साथ तीन अंक हासिल करके ग्रुप-बी की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है।

ईरानी खिलाड़ियों ने राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के समर्थन में नहीं गाया राष्ट्रगान:- ईरान के खिलाड़ियों ने फीफा विश्व कप 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले मैच से पूर्व सोमवार को राष्ट्रगान न गाकर स्वदेश में चल रही अशांति को लेकर विरोध प्रकट किया। ईरान के कप्तान अलिरेज़ा जहांबख्श ने मैच से पहले कहा था कि देश में चल रहे सरकार-विरोधी प्रदर्शनों का समर्थन करने के लिये राष्ट्रगान गाने से इनकार करने का फैसला टीम मिलकर लेगी।

खलीफा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में जब मैच से पहले राष्ट्रगान गाने का समय आया तो ईरानी एकादश गंभीर चेहरों के साथ चुपचाप खडी रही। ईरान में 22 वर्षीय महसा अमीनी की 16 सितंबर को पुलिस हिरासत में मृत्यु हो गयी थी, जिसके बाद से देशभर में सरकार-विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं। अमिनी को उनकी मृत्यु से तीन दिन पहले इस्लामिक गणराज्य में महिलाओं के ड्रेस कोड का उल्लंघन करने के लिये गिरफ्तार किया गया था।

जगदीशन, सुदर्शन ने तोड़े लिस्ट-ए क्रिकेट के रिकॉर्ड

बेंगलुरु 21 नवंबर (वार्ता)। तमिलनाडु के सलामी बल्लेबाज एन जगदीशन और साई सुदर्शन ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ सोमवार को खेले गये विजय हज़ारे ट्रॉफी के एकदिवसीय मैच में लिस्ट-ए क्रिकेट के कई रिकॉर्ड अपने नाम किये।

चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेले गये मैच में जगदीशन ने 141 गेंदों पर 25 चौकों और 15 छक्कों के साथ 277 रन बनाये। वह इस मैच में 77 गेंदों पर शतक पूरा करके लिस्ट-ए क्रिकेट में लगातार पांच शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बन गये। जगदीशन ने इससे पहले की चार पारियों में 114 नाबाद, 107, 168 और 128 रन बनाये थे।

जगदीशन ने 277 रन के स्कोर के साथ लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे बडे व्यक्तिगत स्कोर का अली ब्राउन (268) का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। ब्राउन ने 2002 में सरी के लिये खेलते हुए ग्लैमोर्गन के खिलाफ यह स्कोर बनाया था।

जगदीशन और सुदर्शन ने लिस्ट-ए क्रिकेट में किसी भी विकेट के लिये सबसे बड़ी साझेदारी (416) का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। सुदर्शन ने आउट होने से पहले 102 गेंदों पर 19 चौकों और दो छक्कों के साथ ताबड़तोड़ 154 रन बनाये।

दिन का आकर्षण हालांकि जगदीशन ही रहे। जगदीशन से पहले देवदत्त पडिक्कल एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने लिस्ट-ए क्रिकेट में लगातार चार शतक जड़े हैं।

अपने पांच शतकों के साथ जगदीशन ने इतिहास की किताबों में पडिक्कल के साथ-साथ श्रीलंका के कुमार संगाकारा और दक्षिण अफ्रीका के अल्वीरो पीटरसन को भी पीछे छोड़ दिया है। संगाकारा 2015 में एकदिवसीय विश्व कप के दौरान यह कीर्तिमान रचने वाले पहले व्यक्ति थे, जबकि पीटरसन ने दक्षिण अफ्रीका में हाईवेल्ड लायंस के लिए खेलते हुए इस उपलब्धि को हासिल किया था।

अंतिम टी 20 में उमरान मलिक और संजू सैमसन को मौका देगा भारत?

नेपियर, 21 नवंबर (भाषा)। भारत को अपने रवैये में आमूलचूल बदलाव करने की जरूरत है लेकिन एक बार फिर सवाल यही उठता है कि क्या टीम मंगलवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उमरान मलिक और संजू सैमसन जैसे खिलाडियों को मौका देगी या नहीं।

टी20 विश्व कप में एक बार फिर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाने के बाद संभावना थी कि भारत कुछ अन्य खिलाड़ियों को आजमाएगा लेकिन अगर दूसरे टी20 के टीम संयोजन को देखें तो संकेत मिलते हैं कि टीम शून्य से शुरुआत करने को लेकर झिझक रही है।

सूर्यकुमार यादव के शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन को छोड दें तो भारतीय टीम को रविवार को एक बार फिर 160 रन का स्कोर खडा करने में जूझना पडता जो ऑस्ट्रेलिया में हुए विश्व कप की याद दिलाता है जहां भारतीय टीम बडे स्कोर खड़े करने में विफल हो रही थी।

पावर प्ले में भारत का रवैया बडी चिंता का सबब है। दूसरे टी20 में शीर्ष क्रम में इशान किशन के साथ ऋषभ पंत को आजमाया गया लेकिन वांछित नतीजे नहीं मिले। पंत के स्तर को देखते हुए श्रृंखला के अंतिम मैच में उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। सैमसन एक अन्य बल्लेबाज हैं जो तुरंत प्रभाव छोड़ सकते हैं लेकिन टीम उन्हें अंतिम एकादश में शामिल नहीं कर रही। कप्तान हार्दिक पंड्या की मैच के बाद की टिप्पणी पर गौर करें तो उन्होंने कहा था कि प्रबंधन के तीसरे टी20 के लिए काफी बदलाव करने की संभावना नहीं है।

पहला मैच बारिश की भेंट चढ गया था जबकि दूसरा मैच जीतकर भारत श्रृंखला में 1-0 से आगे है। सीनियर खिलाडियों की गैरमौजूदगी में शुभमन गिल भी पारी की शुरुआत करने के दावेदार हैं लेकिन टीम ने बाएं हाथ के दो बल्लेबाजों को पारी का आगाज करने के लिए चुना। संभावना है कि उन्हें एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में ही मौका मिलेगा जो टी20 मुकाबलों के बाद खेली जाएगी।

पंड्या टीम में ऐसे और अधिक बल्लेबाजों को शामिल करने के इच्छुक हैं जो गेंदबाजी भी कर सकें और दीपक हुड्डा उन्हें ऐसा एक विकल्प देते हैं। सबसे बडी निराशा हालांकि दूसरे टी20 में उमरान मलिक को शामिल नहीं करना रही। यह साबित हो चुका है कि टी20 क्रिकेट में भारत को एक तूफानी गेंदबाज की दरकार है और न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला जम्मू-कश्मीर के इस तेज गेंदबाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इस साल तीन टी20 खेलने वाले उमरान को जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में शीर्ष टीम के खिलाफ खेलने के दबाव का सामना करने का मौका दिया जाना चाहिए था।

काफी समय बाद अंतिम एकादश में जगह बनाने वाले युजवेंद्र चहल ने दिखाया कि आखिर क्यों उन्हें टीम में नियमित तौर पर शामिल होना चाहिए। कलाई के उनके साथी स्पिनर कुलदीप यादव को हालांकि शायद एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में ही मौका मिले। श्रृंखला गंवाने से बचने के लिए न्यूजीलैंड को यह मैच हर हाल में जीतना होगा लेकिन टीम कप्तान केन विलियमसन के बिना उतरेगी जो चिकित्सा कारणों से इस मुकाबले में नहीं खेलेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में टीम सलामी बल्लेबाज फिन एलेन और ग्लेन फिलिप्स पर और अधिक निर्भर होगी। मेजबान टीम के गेंदबाजों ने दूसरे टी20 में डेथ ओवरों में काफी रन लुटाए और वे इसमें सुधार की कोशिश करेंगे। न्यूजीलैंड को साथ ही बेहतरीन फॉर्म में चल रहे सूर्यकुमार को रोकने का तरीका भी ढूंढना होगा।

मेसी की अगुवाई में सऊदी अरब पर बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा अर्जेंटीना

दोहा, 21 नवंबर (एपी)। पिछले 36 मैचों से अजेय चल रहा अर्जेंटीना विश्व कप फुटबॉल में अपने अभियान की शुरुआत मंगलवार को यहां टूर्नामेंट की दूसरी सबसे कम रैाकग की टीम सऊदी अरब के खिलाफ करेगा जिसमें सभी की निगाहें स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी पर टिकी होंगी।

इस टूर्नामेंट में मेसी को अपने अंतरराष्ट्रीय गोल की संख्या को 100 के पार पहुंचाने का मौका भी मिलेगा। उन्होंने अभी तक 91 गोल दागे हैं। पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो 117 गोल करके इस सूची में शीर्ष पर हैं। मेसी ने शुक्रवार और शनिवार को अकेले ही अभ्यास किया जिससे यह आशंका बन गई है कि सऊदी अरब के खिलाफ वह पूरे 90 मिनट मैदान में रहेंगे या नहीं। मेसी कितने भी समय तक मैदान में रहें, निगाहें उन्हीं पर टिकी रहेंगी। सऊदी अरब के खिलाफ इस मैच में उतर कर वह पांचवें विश्वकप में खेलने का रिकॉर्ड बनाएंगे जो कि डिएगो माराडोना और जेवियर मासचेरानो से एक अधिक होगा। सऊदी अरब ने भले ही एशियाई क्वालीफाइंग से आसानी से विश्वकप में जगह बनाई लेकिन इस शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट में वह हमेशा जूझता रहा है। विश्वकप में पांच बार जगह बनाने के बावजूद वह केवल एक बार अंतिम 16 में पहुंचा। अर्जेंटीना ने चार साल पहले विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत आइसलैंड के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर किया था लेकिन यहां उसका लक्ष्य सऊदी अरब पर बड़ी जीत दर्ज करना होगा। टीम पिछली बार के प्रदर्शन को दोहराने से बचने के लिए बेताब है। अर्जेंटीना का पिछले कुछ समय में प्रदर्शन अच्छा रहा है जिसमें 2021 में कोपा अमेरिका का खिताब भी शामिल है। यह उसका पिछले 28 वर्षों में किसी बडे टूर्नामेंट में पहली खिताबी जीत थी।

अल्काराज़, नडाल ने एटीपी रैंकिंग में ऐतिहासिक शीर्ष दो स्थान हासिल किये

लंदन, 21 नवंबर (वार्ता)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज और राफेल नडाल अपने देश के लिये इतिहास रचते हुए टेनिस पेशेवर संघ (एटीपी) की रैंकिंग में इस साल क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर रहे। एटीपी की सोमवार की रैंकिंग के अनुसार अल्काराज़ 6820 अंकों के साथ पहले पायदान पर हैं, जबकि नडाल 6020 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। स्पेन ने पहली बार एटीपी रैाकग के शीर्ष दो स्थान हासिल किये हैं। स्पेन की इस जोडी ने 2022 के चार में से तीन ग्रैंड स्लैम अपने नाम किये। युवा सनसनी अल्काराज़ ने अमेरिकी ओपन का खिताब जीता जबकि 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल ने ऑस्ट्रेलियाई और फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम किया। नडाल के सबसे करीबी प्रतिद्वंदी और 21 बार के ग्रैंड स्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच इस साल रैंकिंग में पांचवें स्थान पर रहे, हालांकि उन्होंने नॉर्वे के कैस्पर रूड को हराकर छठवीं एटीपी फाइनल्स ट्रॉफी जीत ली।

अल्काराज़, नडाल ने एटीपी रैंकिंग में ऐतिहासिक शीर्ष दो स्थान हासिल किये

लंदन, 21 नवंबर (वार्ता)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ और राफ़ेल नडाल अपने देश के लिये इतिहास रचते हुए टेनिस पेशेवर संघ (एटीपी) की रैंकिंग में इस साल क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर रहे। एटीपी की सोमवार की रैंकिंग के अनुसार अल्काराज़ 6820 अंकों के साथ पहले पायदान पर हैं, जबकि नडाल 6020 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

फवाद, यासिर इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के लिये टीम से बाहर

रावलपिंडी, 21 नवंबर (वार्ता)। पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ दिसंबर में होने वाली तीन मैचों की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला के लिये 18-सदस्यीय टीम की घोषणा सोमवार को की जिसमें फवाद आलम और यासिर शाह का नाम शामिल नहीं किया गया है।

फवाद और यासिर के अलावा हसन अली और शाहीन अफरीदी भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। अफरीदी ने हाल ही में अपने अपेंडिक्स की सर्जरी करवाई है, जबकि वह घुटने की चोट से भी उभर रहे हैं।

फवाद ने 2021 में नौ टेस्ट मैच खेलकर 57.10 की औसत से 571 रन बनाये लेकिन वह इस साल अपने शानदार प्रदर्शन को जारी नहीं रख सके। फवाद ने 2022 के चार टेस्ट मैचों में सिर्फ 58 रन बनाये जिसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

हसन अली ने भी अपने पिछले चार टेस्ट मैचों में सिर्फ पांच विकेट लिये, जिसके कारण उनके स्थान पर युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद अली को टीम में तलब किया गया है। तीन मैचों की इस श्रृंखला के लिये 'मिस्ट्री स्पिनर' अबरार अहमद भी 18-सदस्यीय स्क्वाड का हिस्सा हैं। सीमित ओवर क्रिकेट में अपनी गेंदबाजी से सबका ध्यान आकर्षित कर चुके हारिस रऊफ इस सीरीज में पदार्पण कर सकते हैं। शाहीन की गैर-मौजूदगी में उनसे पाकिस्तानी गेंदबाजी की अगुवाई करने की उम्मीद है। पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता मोहम्मद वसीम ने टीम चयन पर कहा, मैं उन सभी खिलाड़ियों को बधाई देना चाहता हूं, जिन्हें इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक टेस्ट श्रृंखला के लिये चुना गया है। हमने इस 18-सदस्यीय टीम का चयन खिलाडियों की फॉर्म, परिस्थितियों और विपक्ष को ध्यान में रखते हुए किया है।

पाकिस्तान के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाये रखने के लिए यह श्रृंखला महत्वपूर्ण होगी। बाबर आज़म की टीम फिलहाल डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में 51.85 प्रतिशत अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और अपने शेष पांच मैच जीतकर वे अधिकतम 69.05 प्रतिशत तक जा सकते हैं।

यदि वे इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट श्रृंखलाओं में और गलतियां न करें तो यह उन्हें फाइनल में ले जाने के लिये काफी हो सकता है।

यह सीरीज पाकिस्तान के लिये ऐतिहासिक भी है, क्योंकि वह 2005 के बाद से 17 वर्षों में पहली बार टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए इंग्लैंड की मेजबानी कर रहा है है।

वसीम ने कहा, मुझे विश्वास है कि यह टीम सुनिश्चित करेगी कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला उसी तरह से समाप्त होगी जैसे 2005 की टेस्ट सीरीज हुई थी।

पाकिस्तान टीम : बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, सरफराज अहमद, शान मसूद, सऊद शकील, सलमान आगा, नसीम शाह, नौमान अली, अब्दुल्लाह शफीक, इमाम-उल-हक, फहीम अशरफ, हारिस रऊफ, मोहम्मद वसीम जूनियर, अबरार अहमद, जाहिद महमूद, मोहम्मद नवाज़, अज़हर अली, मोहम्मद अली।

विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिडफील्ड की कमजोरियों से उबरना होगा फ्रांस को

दोहा, 21 नवंबर (एपी)। चोटिल करीम बेनजेमा की गैरमौजूदगी के बावजूद गत चैंपियन फ्रांस की अग्रिम पंक्ति काफी मजबूत है लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को यहां फीफा विश्व कप के ग्रुप डी मैच में टीम को मिडफील्ड की कमजोरियों से उबरना होगा।

अधिकांश टीम काइलन एमबापे, एंटोनी ग्रिजमैन या ओलिवर गिरोड को अपनी अग्रिम पंक्ति में शामिल करेंगी, फिर अगर ये तीनों किसी टीम का हिस्सा हों तो फिर सोने पर सुहागा है। इन तीनों ने मिलकर फ्रांस के लिए 119 अंतरराष्ट्रीय गोल दागे हैं जबकि उनकी गति, अनुभव और कौशल का भी कोई जवाब नहीं है।

फ्रांस की मिडफील्ड हालांकि उतनी मजबूत नहीं है और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह टीम के लिए परेशानी का सबब हो सकता है।

दोनों टीम चार साल पहले विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में आमने-सामने थीं तो फ्रांस को 2-1 से जीत दर्ज करने में काफी पसीना बहाना पडा था जबकि उस समय टीम के पास मिडफील्ड में उसके सर्वश्रेष्ठ खिलाडी मौजूद थे।

फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स को मिडफील्ड में चोटिल एनगोलो कांते और पॉल पोग्बा की कमी खल रही है जो 2018 की टीम का हिस्सा थे। फ्रांस के लिए 91 मैच खेलने वाले पोग्बा ने अपने 11 गोल में से एक गोल क्रोएशिया के खिलाफ फाइनल में टीम की 4-2 की जीत के दौरान दागा था।

पोग्बा की फॉर्म में पिछले विश्व कप के बाद से उतार-चढाव देखने को मिला है। टीम को हालांकि कांते की कमी अधिक खलेगी जिन्होंने टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

इन दोनों की गैरमौजूदगी में मिडफील्ड में एड्रियन रेबियोट पर जिम्मेदारी रहेगी तो 29 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के साथ टीम के सबसे अनुभवी मिडफील्डर हैं।

रेबियोट के मिडफील्ड में बाएं छोर से उतरने की उम्मीद है। औरेलियन चोउआमेनी के बीच में जबकि एडवर्डो कामावाइंगा या मातियो गुएनडोजी के दाएं छोर पर खेलने की उम्मीद है।

इसके विपरीत ऑस्ट्रेलिया की मिडफील्ड मजबूत है जिसकी अगुआई अनुभवी आरोन मूई करते हैं। विश्व कप 2014 में मैथ्यू लेकी ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी थे और एक बार फिर टीम को उनसे काफी उम्मीदें होंगी। लेकी 13 अंतरराष्ट्रीय गोल के साथ राष्ट्रीय टीम के शीर्ष स्कोरर भी हैं। लेकी और मूई दोनों ने चार साल पहले फ्रांस के खिलाफ शुरुआती एकादश में जगह बनाई थी। विंगर मार्टिन बॉयल के घुटने की चोट के कारण बाहर होने से हालांकि ऑस्ट्रेलिया के कोच ग्राहम आर्नोल्ड की रणनीति प्रभावित होगी।

जोकोविच ने फेडरर के रिकॉर्ड छह एटीपी फाइनल्स खिताब की बराबरी की

तुरिन, 21 नवंबर (एपी)। नोवाक जोकोविच ने तीसरे वरीय कास्पर रूड को हराकर रविवार को यहां रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए छठी बार एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। सर्बिया के जोकोविच ने रूड को 7-5 6-3 से हराकर 2015 के बाद पहली बार यह टूर्नामेंट जीता और फेडरर के छह खिताब की बराबरी की। पैंतीस साल के जोकोविच पिछली दो बार जब इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे तो उन्हें हार का सामना करना पडा था। जोकोविच ने खिताब जीतने के बाद कहा, "सात साल लंबा समय होता है। साथ ही यह तथ्य कि मैंने सात साल इंतजार किया, यह इस जीत को और अधिक मधुर और बडा बना देता है।"

साल के अंत में होने वाले इस टूर्नामेंट को जीतने वाले जोकोविच सबसे अधिक उम्र के खिलाडी बन गए हैं। उन्हें टेनिस इतिहास की सबसे बड़ी इनामी राशि भी मिली। उन्हें एटीपी फाइनल्स जीतने के लिए 47 लाख डॉलर की राशि मिली। जोकोविच ने साल का अंत 18 जीत और एक हार के साथ किया। उन्होंने तेल अवीव और अस्ताना में खिताब जीते जबकि पेरिस मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने इसके अलावा विंबलडन और रोम में भी खिताब जीते।

आईओए ने लिंग-संतुलित निर्वाचक मंडल की घोषणा की

नयी दिल्ली, 21 नवंबर (भाषा)। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, गगन नारंग और साक्षी मलिक समेत कई मौजूदा और पूर्व खिलाडी भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के 10 दिसंबर को होने वाले चुनाव में 77 मतदाताओं में शामिल होंगे। ओलंपिक पदक विजेता योगेश्वर दत्त और एम एम सोमाया भी मतदान करेंगे। मतदान सूची के 77 सदस्यों में से 39 महिलाएं और 38 पुरुष हैं।योगेश्वर और सोमया को नये एथलीट आयोग ने शनिवार को उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाडी (एसओएम) के आठ खिलाडियों के हिस्से के रूप में चुना। जबकि साक्षी को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा नामित किया गया था। सिंधु और नारंग को एथलीट आयोग ने नामित किया था। मतदान अधिकारी उमेश सिन्हा ने सोमवार को 77 सदस्यीय निर्वाचक मंडल की सूची जारी की।

राजस्थान की सदा राठौड सीनियर एशियन चैंपियनशिप के लिये भारतीय हैंडबॉल टीम में

- भारतीय टीम की कोच होगी प्रदेश की मनीषा राठौड़

जयपुर, 21 नवंबर। इंचियोन (दक्षिण कोरिया) में 24 नवंबर से 4 दिसंबर तक होने वाली 19वीं सीनियर महिला एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिये भारतीय महिला हैंडबॉल टीम सोमवार रात को इंचियोन के लिये रवाना हो गयी। भारतीय हैंडबॉल टीम में राजस्थान की सदा राठौड का चयन हुआ हैं। जबकि टीम की कोच प्रदेश मनीषा राठौड राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् में हैंडबॉल प्रशिक्षक के पद पर कार्यरत है तथा इससे पहले वह भारतीय टीम की एशियन व वर्ल्डचैंपियनशिप में प्रशिक्षक रह

चुकी हैं।

भारतीय टीम: मनिंदर कौर (कप्तान), नीना शील, दिक्षा कुमारी, मंदीप कौर, निधि शर्मा, रिम्पी, सदा राठौड, भावना, मेनिका, शालिनी ठाकुर, तेजस्विनी सिंह, प्रियंका ठाकुर, आशा रानी, ज्योति शुक्ला, प्रियंका, सोनिका, बनिता शर्मा, राजवंत कौर। प्रशिक्षक: सचिन चौधरी, मनीषा राठौड, कार्तिकेयन, संध्या टी.।

की श्रीमती मनीषा राठौड को बनाया गया हैं।

भारतीय महिला टीम का प्रशिक्षण शिविर फैजाबाद में 31 अक्टूबर से चल रहा था। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि लेफ्ट विंग की पोजीशन पर खेलने वाली गुलाबी नगरी की सुश्री सदा राठौड विगत काफी समय से राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन कर रही थी। वहीं टीम की कोच बनाई गई श्रीमती

ड्रैगफ्लिकर, गोलकीपरों को विशेष कोचिंग की जरूरत : तिर्क

नयी दिल्ली, 21 नवंबर (वार्ता)। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्क ने आधुनिक हॉकी की बदलती आवश्यकताओं को देखते हुए देशभर की हॉकी अकादमियों से ड्रैगफ्लिकर और गोलकीपरों को विशेष कोचिंग देने का अनुरोध किया है। हॉकी इंडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी।

तिर्क ने हॉकी इंडिया की सदस्य इकाइयों को भेजे गये हालिया संदेश में इन दो कौशलों में विशेषज्ञता प्राप्त युवा एथलीटों के प्रतिभा पूल तैयार करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

तिर्क ने कहा, ड्रैग फ्लिकिंग तकनीक आधुनिक हॉकी के सबसे रोमांचक पहलुओं में से एक बन गयी है। एक सफल पेनल्टी कॉर्नर की खुशी जिसमें गेंद रक्षकों की दीवार के पार गोली की रफ्तार से भेजी जाती है, हमेशा खेल के सबसे रोमांचक पलों में से एक मानी जाती है।

एसए20 में टीमें खरीद सकेंगी 'वाइल्ड कार्ड' खिलाडी

जोहान्सबर्ग, 21 नवंबर (वार्ता)। दक्षिण अफ्रीका की फ्रेंचाइजी टी20 लीग एसए20 ने जनवरी में शुरू होने वाले अपने पहले सत्र से पूर्व टीमों को 'वाइल्ड कार्ड' खिलाडी चुनने का अवसर दिया है। एसए20 ने सोमवार को यहां जारी बयान में कहा कि फ्रेंचाइजी 30 दिसंबर से पहले किसी ऐसे दक्षिण अफ्रीकी या विदेशी खिलाडी को खरीद सकती हैं जो लीग की नीलामी में शामिल नहीं था। इन खिलाडियों की न्यूनतम कीमत 1,75,000 रैंड (8.24 लाख रुपये) होगी। लीग कमिश्नर ग्रेम स्मिथ ने कहा, वाइल्ड कार्ड का विकल्प हमारी टीमों को अपनी स्क्वाड में एक और विश्व स्तरीय खिलाडी जोडने का अवसर प्रदान करता है। नीलामी के लिये क्रिकेट समुदाय ने हमारी लीग में काफी दिलचस्पी दिखाई है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम छह शानदार क्रिकेटरों को एसए 20 में शामिल होते हुए देखेंगे। उल्लेखनीय है कि हर टीम को अधिकतम आठ विदेशी खिलाडी रखने की अनुमति होगी। और मैच के दौरान किसी भी समय अधिकतम चार विदेशी खिलाडी मैदान पर रह सकेंगे।

इटली के सिएना शहर के बाहर पुरातत्ववेत्ता वर्ष 2019 से प्राचीन थर्मल बाथ्स (गर्म पानी के कुण्डों) की खुदाई कर रहे हैं। लेकिन हाल ही में, कुछ समय से मिट्टी और पानी में से झांकते हुए छोटे -छोटे अज्ञात अवशेष दिखाई देने लगेः एक हाथ, एक कोहनी एक चमचमाता सिक्का आदि। इसके बाद से शोधकर्ता यहां से 24 कांस्य मूर्तियां निकाल चुके हैं। बहुत अच्छी तरह से संरक्षित ये मूर्तियां 2300 साल पुरानी हैं। इसके अलावा हजारों सिक्के व अन्य कलाकृतियां भी मिली हैं। यह खोज सिएना के एक छोटे से पहाड़ी कस्बे, सैन कैशानो डी बानी में हुई हैं। सिएना प्रांत थर्मल बाथ्स के लिए जाना जाता है। इतिहासकार जैकोपो टावोली ने बताया कि, "रोमन और एट्रस्कन काल की मूर्तियों का यह सबसे बड़ा जखीरा है। पहली बार इटली में इतना बड़ा भंडार मिला है और यह इटली की और समूचे मैडिटरेनिअन की अब तक की सबसे बड़ी व महत्वपूर्ण खोज है।" ये मूर्तियां दूसरी सदी ईसा पूर्व से पहली सदी इस्वी के बीच की हैं। टस्कन इतिहास में यह भारी उथल -पुथल का समय था। एट्रस्कन की जगह रोमन शासन का प्रादुर्भाव हो रहा था। कई शहरों में भयंकर युद्ध हुए, यह कस्बा भी उनमें से एक था। रोमन्स जीत गए तो उन्होंने एट्रस्कन संस्कृति को प्रभाव शून्य करने के लिए उनकी कलाकृतियों आदि को नष्ट करना या जमीन में गाड़ना शुरु कर दिया। खुदाई में मिली मूर्तियों में हेजीया, अपोलो व अन्य यूनानी रोमन देवताओं की मूर्तियां हैं। इनमें कुछ पर लैटिन व एट्रस्कन भाषा में अभिलेख लिखे हैं। टाबोली ने कहा कि, यह खोज इतिहास को पुनः परिभाषित करती है, क्योंकि, यहां एट्रस्कन और रोमन्स एक साथ पूजा करते थे। टाबोली को लगता है कि, इन मूर्तियों को किसी रस्म के लिए गर्म पानी में डुबोया गया होगा। शोधकर्ता यह नहीं जानते कि ऐसा क्यों किया गया, पर उनका कहना है कि गर्म पानी में डुबोने से ही ये सुरक्षित रही हैं। एक अन्य पुरातत्ववेत्ता, युनिवर्सिटी ऑफ सिएना की चिआरा फर्मो ने बताया कि, एक अलंकृत मूर्ति भी मिली है। यह महिला की मूर्ति है जिसने गले में हार व कानों में झुमके पहने हुए हैं। इससे पता लगता है कि, उस समय महिलाएं कैसी दिखती थीं और उनकी वेशभूषा क्या थी। इस क्षेत्र के थर्मल बाथ्स पांचवी सदी इस्वी तक प्रयुक्त होते थे पर उसके बाद नए ईसाई कानून के तहत सार्वजनिक स्नानागार प्रतिबंधित कर दिए गए।

मुख्यमंत्री कुर्सी बचाने में तो माहिर हैं लेकिन किसी का जीवन बचाने में उनकी कोई रूचि और प्रतिबद्धता नहीं-पूनिया

राजसमंद के देवगढ़ में एक पुजारी दंपती को जिंदा जलाने की घटना पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने यह तीखी टिप्पणी की

जयपुर, 21 नवम्बर (का.सं.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने आज मीडिया से बातचीत में प्रदेश की गहलोत सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा, राजसमंद के देवगढ़ के हीरा गांव में पुजारी दंपती को जिंदा जलाया जाना प्रदेश में यह पहली घटना नहीं है, और सीधे-सीधे यह राजस्थान के इकबाल से जुड़ी घटना है, जो अपराध की घटनाएं यहां हुई हैं। उसमें पुजारी को जलाने की एक और घटना जुड़ गई।

पुजारी को जिंदा जलाया जाना एक बार फिर कांग्रेस सरकार के सामने सवाल खड़ा कर गया। राजस्थान में कोई भी ना सड़क पर सुरक्षित है, ना घर में, ना मंदिर में, ना अस्पताल में और ना स्कूल में। राजस्थान की असुरक्षा यहां तक पहुंच गई कि देवी-देवताओं को पूजने वाले पुजारी को इस क्रूर तरीके से जिंदा जला दिया जाता है।

यह सीधे-सीधे राज्य के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री पर सवाल खड़े करता है, जो इस समय भारत जोड़ने की बात करते हैं पर अपनी कुर्सी को बचाए रखने के लिए सारी बातों को ताक पर रख देते हैं, यह उसी का नतीजा है। कानून व्यवस्था पिछले 4 सालों में जिस प्रकार ध्वस्त हो रही है। उसकी परिणति इस वीभत्स रूप में हो रही है।

- **डॉ. पूनिया ने आगे कहा, "राजसमंद के देवगढ़ की घटना ने एक बार फिर उद्वेलित कर दिया। राजस्थान में माफिया और बदमाशों का आतंक है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के राजनीतिक संरक्षण में साफ तौर पर दिखता है कि, ऐसी घटनाओं से वह आंख मूंदकर बैठे हैं।**

उन्होंने कहा, कांग्रेस शासन में अपराध की घटनाएं चरम पर हैं, जहां या तो पुजारी को जिंदा जलने के लिए विवश होना पड़ता है, जैसे महंत विजय दास की घटना हुई, और जयपुर के मुरलीपुरा में जो घटना हुई, राजसमंद के देवगढ़ की इस घटना ने एक बार फिर से सभी उद्वेलित कर दिया है कि किस तरीके से राजस्थान में माफिया और बदमाशों का आतंक है, यह सब अशोक गहलोत के राजनीतिक संरक्षण में हो रहा है। साफ तौर पर दिखता है कि वे ऐसी घटनाओं से आंख मूंदकर बैठे हैं

राज्य सरकार की कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के प्रति कोई प्रतिबद्धता दिखती नहीं है, अब ऐसा लगता है कि राजस्थान अपराधियों के हाथों में है, यहां सरकार का ना कोई इकबाल है, ना कोई शासन है, ऐसे में समाज में उद्वेलन स्वाभाविक है प्रदेश में दिन दहाड़े डकैती, हत्याएं होती हैं, लूटपाट की घटनाएं होती हैं, 7 हत्याएं प्रतिदिन के आंकड़े में एक और हत्याकांड जुड़ गया। मुख्यमंत्री कुर्सी बचाने में तो माहिर हैं लेकिन किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में उनकी कोई रुचि और प्रतिबद्धता नहीं है।

उत्तर भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समाप्त होने के बाद, ए.आई.सी.सी. का अधिवेशन बुलाया जाये, जिससे कि नई कांग्रेस वर्किंग कमेटी का चुनाव हो सके। उन्होंने प्रत्येक राज्य तथा पार्टी के विभिन्न विभागों एवं अग्रिम संगठनों के काम-काज की विस्तृत रिपोर्ट माँगी हैं। उन्होंने राज्य कांग्रेस कमेटियों प्रत्येक गतिविधियों के दैनिक दस्तावेजीकरण के भी आदेश दिये हैं। खड़गे मई में की उदयपुर घोषणा के ब्लूप्रिन्ट के आधार पर पार्टी का कायाकल्प करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके मस्तिष्क में तीन प्रमुख बिन्दु हैं-संगठन, प्रचार-प्रसार एवं संवाद तथा संसाधन। वे चुनाव प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण के लिये आधा दर्जन नये विभाग स्थापित करने की योजना पर काम कर रहे हैं। उनकी योजना एक पब्लिक इनसाइट डिपार्टमेंट स्थापित करने की भी है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि पूरे संगठन में 50 प्रतिशत पदाधिकारियों की उम्र 50 वर्ष से कम हो।

'मेरा फोकस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके साथ ही, अजय माकन का मुद्दा भी अभी अनिर्णीत है। उनका इस्तीफा अभी तक स्वीकार नहीं हुआ है। लेकिन मूल एवं विवादित प्रश्न यह है कि इस निर्णय में कितना विलम्ब और होगा क्योंकि यात्रा तो राजस्थान पहुँचने को ही है।

राजस्थान के प्रभारी महासचिव से ऐसी आपेक्षा है कि वे राजस्थान में राहुल गांधी को एक नई जीवन्तता देने में मुख्य भूमिका निभायेंगे लेकिन चूँकि माकन प्रभारी महासचिव के काम-काम को अंजाम नहीं दे रहे हैं, इसलिये पार्टी को इस बारे में स्पष्ट विचार बनाना चाहिये। कुल मिलाकर, विलम्ब से शीघ्रता भली।

रेप व हत्या के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तीन दोषियों की रिहाई को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दे। इन तीनों अपराधियों को फाँसी की सजा दी गई थी। सक्सेना ने इस केस के लिये सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को वकील के रूप में लिये जाने का भी अनुमोदन कर दिया है।

सम्बन्धित अधिकारी ने कहा, "सर्वोच्च न्यायालय के तीन आरोपियों की रिहाई के निर्णय के खिलाफ, सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करने की स्वीकृति उप राज्यपाल ने दे दी है।"

इन तीनों आरोपियों को 9 फरवरी, 2012 को दिल्ली के द्वारका क्षेत्र के छावला स्थान पर 19 वर्षीय युवती के वीभत्स गैंगरेप तथा हत्या के अपराध के लिये ट्रायल कोर्ट ने फाँसी की सजा का फैसला दिया था तथा दिल्ली उच्च न्यायालय ने इसे यथावत रखा था।

उन्होंने इस सजा के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील की थी तथा सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 7 नवम्बर के फैसले में ट्रायल कोर्ट तथा उच्च न्यायालय के आदेशों की रद्द कर दिया था।

भाजपा सांसद आर. के. पटेल समेत 19 को सजा

चित्रकूट, 22 नवंबर। उत्तर प्रदेश में चित्रकूट जिले की एक अदालत ने 13 साल पुराने एक मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद आर. के. पटेल समेत 16 लोगों को एक साल की तथा तीन को एक महीने की सजा सुनायी है। इसके अलावा एक अभियुक्त की मृत्यु हो चुकी है।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सरकार के कार्यकाल में समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर पथराव और ट्रेन रोकने के मामले में 20 लोगों पर दोष सिद्ध करते हुए बांदा चित्रकूट के सांसद आर. के. पटेल और दस्यु सम्राट ददुआ के बेटे, पूर्व विधायक वीरसिंह समेत 16 लोगों को एक-एक वर्ष की सजा सुनाई। बीस में से एक अभियुक्त, राज बहादुर यादव की मौत हो चुकी है, जबकि महेंद्र गुलाटी, गुलाब और राजेंद्र शुक्ला को एक-एक माह की सजा सुनाई गई है।

- **चित्रकूट जिला अदालत ने बांदा चित्रकूट के सांसद आर. के. पटेल और दस्यु सम्राट ददुआ के बेटे, पूर्व विधायक वीरसिंह समेत 16 लोगों को एक-एक वर्ष की सजा सुनाई।**

अभियोजन पक्ष के वकील ने बताया कि, सन् 2009 में 16 सितम्बर को सपाइयों ने बसपा सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया था। पुलिस ने 20 लोगों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। इनमें से एक आरोपी, पूर्व सपा जिलाध्यक्ष की मौत हो चुकी है। मौजूदा भाजपा सांसद आर. के. पटेल और मौजूदा भाजपा नगर पालिका चेयरमैन नरेंद्र गुप्ता समेत छह आरोपी पूर्व में समाजवादी पार्टी (सपा) में थे।

क्या राहुल के गुजरात अभियान का भारी असर होगा कांग्रेस की संभावनाओं पर?

राहुल भारत जोड़ो यात्रा को बीच में छोड़कर गुजरात गए, चुनाव प्रचार के लिए, जबकि हिमाचल में उन्होंने कदम भी नहीं रखा

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। गत 7 सितम्बर से शुरु की गई भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल गांधी ने गुजरात में विधानसभा चुनाव के पहले चरण से पूर्व सूरत और राजकोट में एक-एक रैली को संबोधित किया।

राहुल गांधी हिमाचल प्रदेश के चुनाव प्रचार से दूर रहे किन्तु सौराष्ट्र में पार्टी के गढ़ से अधिकतम लाभ उठाने को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री के गृह राज्य में चुनाव प्रचार करने का निर्णय लिया। उनके दौरे से दक्षिण गुजरात में भी पार्टी की संभावनाएं मजबूत होने की उम्मीद है। गांधी ने वर्ष 2017 के गुजरात विधानसभा चुनावों में जोर-शोर से प्रचार किया था। तब कांग्रेस ने उम्मीद से अधिक प्रदर्शन कर विधानसभा की कुल 182 सीटों में से 77 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा द्वारा जीती गईं सीटों की संख्या पिछले दो दशकों में पहली बार तिहाई के आंकड़े से कम रही थी और वह 99 सीटें ही जीत सकी थी।

- **कहा जा रहा है कि, उनकी सभाओं से सौराष्ट्र और दक्षिणी गुजरात में पार्टी की संभावनाएं और बेहतर होंगी। यह आदिवासी बैल्ट है, जिसे कांग्रेस का गढ़ माना जाता है।**
- **वर्ष 2017 में भी राहुल ने गुजरात में भारी चुनाव प्रचार किया था और 182 सदस्यों वाली विधानसभा में 77 सीटें जीती थीं और हालांकि, भाजपा को बहुमत मिला था पर पार्टी 100 का आंकड़ा पार नहीं कर पाई थी।**

हार्दिक पटेल सहित युवा नेताओं के पार्टी से बाहर जाने और अरविन्द केजरीवाल की आप के गुजरात के चुनाव में उतरने से कांग्रेस को इस वर्ष के चुनाव में सत्ता के मजबूत दावेदार के रूप में नहीं देखा जा रहा, लेकिन पर्यवेक्षक कहते हैं कि राहुल गांधी की अंतिम क्षणों में की गई बातचीत लोगों के दिमाग पर वोट डालने से पूर्व गहरा प्रभाव डाल सकती है।

सौराष्ट्र पारम्परिक रूप से कांग्रेस का गढ़ रहा है। वर्ष 2012 से यहां की 48 सीटों में से कांग्रेस ने 28 सीटें जीतीं थी। भाजपा मात्र 19 ही जीत सकी थी। दक्षिण गुजरात की 35 सीटों में से 2017 में कांग्रेस 10 और भाजपा ने 25 सीटें जीती थी। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, राहुल गांधी की रैली इन दोनों क्षेत्रों को प्रभावित करेगी। डांग और वल्साड़ जैसे क्षेत्रों में आदिवासी आबादी भारी मात्रा में है और कांग्रेस का आरोप है कि राज्य सरकार आदिवासियों की उपेक्षा कर रही है। समझा जाता है कि रैली में राहुल आदिवासियों के उत्थान के लिए कांग्रेस की योजनाएं घोषित करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व अन्य स्टार प्रचारक भी गुजरात जा रहे है और मध्य प्रदेश से 23 नवम्बर को गांधी यात्रा से पुनः जुड़ेंगे।

गुजरात में दूसरे चरण का मतदान 5 दिसम्बर को होगा और गुजरात व हिमाचल के लिए वोटों की गिनती 8 दिसम्बर को होगी।

'80 लाख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि स्टिंग ऑपरेशन में पता चला है कि 110 सीटों के लिए पैसा लिया गया है। बिंदु श्रीराम जिन्होंने यह स्टिंग ऑपरेशन किया है पूर्व में कांग्रेस में थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने केजरीवाल की इस सलाह पर अमल किया सभी लोग भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करें। और इसलिए जब उससे टिकट के एवज में इतनी भारी राशि मांगी गई तो उसने स्टिंग ऑपरेशन किया।

वीडियों में रोहिणी विधानसभा सीट पर आप के समन्वयक पुनीत गोयल को भी दिखाया गया जो किसी आर.आर. पठानिया के करीबी है और मंत्री गोपाल राय के. एन.जी ओ. "देश की बात के प्रभारी है। तीसरा व्यक्ति था दिनेश श्रॉफ, जो आप सांसद सुशील गुप्ता और विधानसभा स्पीकर राम निवास का करीबी है। चौथा व्यक्ति खुद पठानिया है जो आप की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य है तथा दिल्ली राज्य की एस.सी.एसटी. इकाई के प्रभारी भी है।

वीडियों में बिंदु को पुनीत गोयल, श्रॉफ और पठानिया से बात करते दिखाया गया है।

रूस अब "एनर्जी टैररिज़्म"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूस एनर्जी की सभी सप्लायी चेन्स तबाह करने की कोशिश में है। इसमें विशेष रूप से ऊर्जा उत्पादन के थर्मल पावर प्लांट्स, ऊर्जा वितरण प्रणालियों और पावर लाइन्स हैं।

यूक्रेन सरकार तबाह हुए इस एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर की जितना जल्दी हो सके उतना रिपेयर करने की कोशिश कर रही है, लेकिन देश के निवासी और व्यापारिक संस्थान गैस से चलने वाले जनरेटरों और जलाने के काम आने वाली लकड़ियों के लिए हाय-तौबा कर रहे हैं।

गैर लाभकारी युद्ध सहायता संस्थान, संयुक्त राष्ट्र और पश्चिमी सहयोगी देशों ने यूक्रेन को भेजे जाने वाले शिपमैन्ट्स में सर्दियों के कपड़े, मोटे कम्बल और गर्मी देने वाले उपकरणों को शामिल करना शुरू कर दिया है।

इन्टरनैशनल रेस्क्यू कमेटी की यूक्रेन की निदेशक मीरिसिक्षा ज़ैपास्निक कहती हैं कि "यदि दीर्घ अवधि के लिए बिजली कटौती हो जाए तो हमारे पास ऐसे साधन नहीं है जो हम जरूरतमंद लोगों को उपलब्ध करा सकें। मानवीय स्थिति वर्तमान की तुलना में भी और भयावह हो जाएगी।"

यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री कहते हैं कि रूस के हमलों से अक्टूबर माह के अंत तक देश का करीब 40 प्रतिशत थर्मल उत्पादन नष्ट हो चुका है और 90 प्रतिशत पवन ऊर्जा तथा 40 प्रतिशत से अधिक सौर ऊर्जा स्त्रोतों पर या तो कब्जे कर लिए गए है अथवा उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया गया है।

यूक्रेन के सबसे बड़े निजी ऊर्जा उत्पादक डी.टी.ई. के का कहना है कि रूस के हाल ही हुए हमलों में ऊर्जा की वितरण प्रणालियों को निशाना बनाया गया।

डी.टी.ई. के एक बयान में कहता है कि "इन कार्रवाईयों को ऊर्जा आंतकवाद और यूरोप के बिलकुल मध्य में एक मानवीय त्रासदी उत्पन्न करने के नृशंस प्रयास के अलावा कुछ भी नहीं कहा जा सकता।

कीव स्थित एनर्जी रिसर्च सैन्टर के निदेशक ऑलैक्ज़ैडंर खारचेंकों कहते हैं कि ऊर्जा सब स्टेशन्स और ट्रांसफॉर्मर्स पर हो रहे हमले ऊर्जा को स्थानांतरित करने और यूरोप से ऊर्जा आयात करने की यूक्रेन की क्षमता को सीमित करते हैं। अब भी कई ऐसे महत्वपूर्ण ठिकाने हैं जिन्हें लम्बी दूरी के हमलों से बचाने की आवश्यकता है।

खारचेंकों कहते हैं कि "मेरा मानना है कि यूक्रेन के पास बिजली उत्पादन की पर्याप्त क्षमता है, युद्ध की शुरूआत से ही उत्पादन सुविधाओ को ढंग से सुरक्षित रखा गया है, लेकिन सबस्टेशन्स की संख्या काफी है। स्पेशल एयर डिफैंस सिस्टम के जरिए इन सभी को कवर करना संभव नहीं है।

इस भयावह स्थिति में उम्मीद है कि यूक्रेन के लाखों लोग अपने घरों को गर्म रखने के लिए जलाने की लकड़ियों का उपयोग करेंगे। यूक्रेन में लकड़ी जलाने वाले स्टोब्ज और बॉयलर्स की भारी मांग रहती आयी है।

अब इन्हें खरीदना इतना भारी पड़ रहा है कि टैरिटोरियल डिफैंस यूनिट्स ने सैनिकों के लिए मेंटल की शीट्स को वैल्ड करके स्टोव बनाने शुरू कर दिए हैं क्योंकि इन सैनिकों को ही युद्ध के अग्रिम मोर्चे पर सर्दियां बितानी हैं।

कुछ आधारभूत मुद्दों पर भी पार पानी है। नागरिकों को लकड़ियां खरीदने के लिए समर्थ बनाने की भी जरूरत है क्योंकि खाद्य पदार्थो और दवाईयों जैसी दैनिक वस्तुओं की कीमत बढ़ने के साथ ही लकड़ियों के भी भाव बढ़ गए हैं। जलाने वाली लकड़ियों को डिलीवर करना भी चिन्ता पैदा कर रहा है क्योंकि युद्ध से त्रस्त दूरस्थ स्थानों में इन्हें कैसे ट्रांसपोर्ट किया जाएगा।

क्या तमिल "कल्चर" चाबी है भाजपा का दक्षिण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि वह तमिल भाषा संस्कृति एवं विरासत को महत्व दे रही है तो क्षेत्रीय दलों के लिये भाजपा को रोक पाना बहुत मुश्किल हो जायेगा। दरअसल द्रविड पार्टियाँ अब तक यह दावा करती आ रही थीं कि वे तमिल भाषा, संस्कृति एवं विरासत को बाहरी प्रभावों से बचाये हुये हैं।

आई.आई.टी. मद्रास तथा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस समारोह में तमिलनाडु के विभिन्न स्थानों के 2500 स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों को लाने की व्यवस्था की जा रही है। उद्घाटन समारोह में विख्यात संगीतकार इल्लैराजा ने रुद्रम के श्लोकों से शिव-वन्दना प्रस्तुत की, जिसे तमिल समाचार चैनलों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण के साथ, लाइव टेलीकास्ट किया गया। राजनैतिक विश्लेषक एस. राजागोपालन, जिन्हें दक्षिण भारत की गहरी समझ है, का कहना है, "मूल बात यह है कि "काशी-तमिल संगमम" भाजपा की "लुक साउथ" नीति का शुभारम्भ है।" उन्होंने कहा कि सच बात यह है कि अलग-अलग राज्य के लिये भाजपा की अलग-अलग रणनीति रहती है। उत्तर प्रदेश के लिये बुलडोज़र की राजनीति, महाराष्ट्र, दिल्ली तथा पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय का उपयोग। उन्होंने आगे कहा कि "झारखंड तथा तेलंगाना में, भाजपा के. चन्द्रशेखर राव पर हमले शुरु कर दिये हैं।"

राजागोपालन ने कहा कि तमिलनाडु जो भाजपा के "साउथ प्लान" का सबसे प्रमुख राज्य है, में अपनी पैठ बनाने के लिये वह तमिल संस्कृति पर भरोसा कर रही है तथा इस राज्य ने भाजपा को फायदा पहुँचाना शुरु कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी स्वयं, इस साल मई से लेकर अब तक, तमिलनाडु के चार दौरे कर चुके हैं तथा अधिकांश केन्द्रीय मंत्री समय-समय पर तमिलनाडु के दौरे पर जाते रहेंगे। तमिलनाडु ही क्या, पूरे दक्षिण भारत में, भाजपा ने बड़े नेताओं के दौरों की झड़ी लगा दी है तथा लगाती रहेगी तथा उसका एकमात्र उद्देश्य है- छः दक्षिण भारतीय राज्यों की 130 लोकसभा सीटों में से अधिकतम सीटें जीतना।

तमिलनाडु में विपक्ष कमजोर है, इसलिये भाजपा को इस राज्य पर कब्जा जमाने का अवसर मिल गया है क्योंकि विपक्षी पार्टी ए.आई.ए.डी.एम. के अपने ही आंतरिक मसलों में उलझी हुई है। इसलिये भाजपा के प्रसार से ही डी.एम.के. भी चिन्तित होने लगी है। ये सब कारण मिलकर राज्य की "रिवॉल्विंग डोर पॉलिटिक्स", जिसमें डी.एम.के. तथा ए.आई.ए.डी.एम.के. बारी-बारी से सत्ता में आया करती थी, में अब अनिश्चितता की स्थिति पैदा कर रहे हैं।

'महिला सम्मन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कानून एवं गृह मामलों के मंत्रालयों को नोटिस जारी कर इस पर जवाब मांगा।

सैक्शन 64 कहता है कि अगर किसी कारणवश संबंधित व्यक्ति सम्मन ना ले सके तो सम्मन की प्रति उस व्यक्ति के परिवार के साथ रह रहे किसी पुरुष सदस्य को दी जाए और आवश्यक समझे तो सम्मन देने वाला अधिकारी सम्मन की एक अन्य प्रति पर उक्त व्यक्ति के हस्ताक्षर भी करवा सकता है।

याचिका कहती है कि जिस व्यक्ति को सम्मन दिया गया है अगर उसके परिवार में सिर्फ महिला ही है, या सम्मन दिए जाने के समय सिर्फ महिला घर पर हो तो क्या किया जाए यह बात उक्त नियम में स्पष्ट नहीं है।

याचिका कहती है कि, 78 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं घर पर रहती है। ऐसे में सम्मन दिए जाते वक्त घर पर महिला सदस्य के होने की संभावना ज्यादा होती है यह याचिका वकीला कुश कालरा ने दायर की है।

याचिका में भाग 64 को रद्द करने के लिए आदेश देने की मांग की गई है।

आय के साधनों के खिलाफ आत्मघाती नीति क्यों अपना रही है रोडवेज?

टैन्डर को पूरा नहीं कर सकने वाली कम्पनी की नियम अनुसार "बैंक गारंटी" जब्त करने के लिए भी तर्क नहीं प्रस्तुत कर पाई रोडवेज

जयपुर, 21 नवम्बर (का.सं.)। राजस्थान रोडवेज द्वारा 48 ए.सी. इलेक्ट्रिक बसों का टेंडर निरस्त किये जाने के बावजूद राजस्थान रोडवेज ने इस कंपनी ग्रीन सेल मोबेलिटी प्राईवेट लिमिटेड द्वारा टेंडर में भाग लेने के लिये जमा की गई बैंक गारंटी, जो 2.82 करोड़ है, को जब्त नहीं कर पाई। गौरतलब है कि कम्पनी टेंडर का कार्य पूरा नहीं कर पाई थी। इसलिए उसका टेंडर निरस्त किया गया था।

इस प्रकरण में ऐसा प्रतीत होता है कि रोडवेज के अधिकारियों की ढिलाई और मिली भगत ही रोडवेज के लिये भारी पड़ी और रोडवेज की हक की राशि उसको नहीं मिल पाई।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में रोडवेज के साथ अनुबंधन के अनुसार इस टेंडर को निरस्त करने के बाद रोडवेज 31 दिसम्बर 2022 तक कभी भी ग्रीन सेल मोबेलिटी प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से दी गई बैंक गारंटी को जब्त कर सकती है।

परंतु जैसे ही रोडवेज के अधिकारियों ने अक्टूबर, 2022 में इस बैंक गारंटी को जब्त करने के लिये संबंधित बैंक को पत्र लिखा, तब कई कारणोंवश बैंक तुरंत इस बैंक गारंटी की राशि को रोडवेज के पक्ष में जारी नही कर सका। यहां चौंकाने वाली बात यह है कि जैसे ही रोडवेज ने बैंक को 2.82 करोड़ रुपये की राशि जारी करने के लिये पत्र लिखा, वैसे ही ग्रीन सेल मोबेलिटी ने जयपुर के कॉमर्शियल कोर्ट में आवेदन दायर किया और 1 नवम्बर 2022 को ही अदालती आदेशों की मदद से बैंक गारंटी जब्त करने पर रोक लगवा दी।

- **नियमों तथा अनुबंधनों की शर्तों के अनुसार रोडवेज टेन्डर में भाग लेने के लिए दी गई "बैंक गारंटी" टेन्डर का कार्य पूरा नहीं किये जाने की स्थिति में 31 दिसम्बर 2022 तक जब्त कर सकती है।**

इस मामले में ग्रीन सेल की ओर से जहां वरिष्ठ और जाने-माने अधिवक्ताओं को पैरवी के लिये नियुक्त किया गया था, वहीं रोडवेज की ओर से पेश हुए अफसर बैंक गारंटी भुनाने के पक्ष में कोई तर्क प्रस्तुत नहीं कर पाये जबकि दस्तावेजों से यह स्पष्ट होता है कि रोडवेज ही इस बैंक गारंटी राशि की असली हकदार है।

जैसा कि विदित है कि रोडवेज ने 48 ए.सी. इलेक्ट्रिक बसों का टेंडर जारी करने के बाद ग्रीन सेल मोबेलिटी से दिसम्बर 2019 में अनुबंधन किया था। परंतु कंपनी द्वारा इस अनुबंधन की शर्तों को पूरा नहीं कर पाने की वजह से रोडवेज ने इस टेंडर को निरस्त कर दिया था।

प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार ग्रीनसेल इस प्रोजेक्ट के संबंध में अन्य पार्टियों के साथ आधारभूत ढ़ाचा बनाने के लिये किये गये अनुबंधन की कॉपी नहीं प्रदान कर पाई और साथ ही एस्क्रो बैंक अकाउंट भी नहीं बना पाई।

इस मामले को जानने वाले सूत्रों ने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी बसों को चलाने के लिये दिल्ली-जयपुर हाइवे पर कई अलग-अगल जगह बसों को चार्ज करने के लिये फैसिलिटी (सुविधा) का निर्माण पूरा नहीं किया गया था। जिस वजह से यह बसें कभी भी काम नहीं कर पातीं।

अब इस मामले में कॉमर्शियल कोर्ट के समक्ष 22 नवम्बर को अगली बहस होगी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908